दैनिक प्रातः कालीन हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 03 अंक :- 26 मुरादाबाद, 16 May 2023 (Tuesday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी ने सुनी फरियाद, बोले- इलाज के लिए न हो परेशान, सबको मिलेगी मदद

बाल श्रद्धालु को देख रुक गए सीएम योगी, प्रसाद देकर पूछा हालचाल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के उपचार में आर्थिक सहायता के प्रार्थना पत्रों को जल्द से जल्द शासन में भेजने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। उन्होंने कहा है कि गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों का इलाज बेहतरीन अस्पतालों में कराया जाएगा। इसके लिए मरीज की कमजोर आर्थिक स्थिति बाधा नहीं बनेगी। सीएम योगी ने यह निर्देश सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और निराकरण का भरोसा दिया। सोमवार को मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी समस्या बताने वालों में बड़ी संख्या उन लोगों की रही जो गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। एक महिला ने लखनऊ के एक अस्पताल में अपने परिजन के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार की। महिला द्वारा बताया गया अस्पताल संभवतः इलाज सहायता प्राप्त करने को अर्हता नहीं रखता है। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरीज को एसजीपीजीआई या केजीएमयू में भर्ती कराया जाए। सीएम ने महिला से आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। महिला ने बताया कि नहीं है। मुख्यमंत्री ने उसे आश्वस्त किया कि आप बिना चिंता उपचार कराइए, पैसा हम देंगे। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द इलाज के लिए इस्टीमेट बनवाकर शासन को भेजें।उन्होंने महिला को भरोसा देते हुए कहा कि इलाज में मदद के लिए आपको डीएम साहब के यहां से फोन जाएगा। सीएम ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे सभी लोगों को आश्वस्त किया कि इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण होते हैं मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता धनराशि जारी कर दी जाएगी।जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सभी लोगों के प्रार्थना पत्रों को विषयानुसार प्रशासन व पुलिस के अफसरों को हस्तगत करते हुए निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उनका संतुष्टिपरक त्वरित समाधान कराएं। इस दौरान कुछ लोग गोरखपुर मंडल के बाहर के जिलों से भी आए थे।मुरादाबाद से आए एक व्यक्ति को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि आपके घर पहुंचने के साथ ही समस्या के निदान की प्रक्रिया शुरू हो चुकी होगी। जनता दर्शन में अपने परिजनों के साथ आये बच्चों को भी मुख्यमंत्री ने हर बार की तरह खूब दुलारा। उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और चॉकलेट के साथ खूब पढ़ने, आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया।मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर में वृहद धार्मिक-आध्यात्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार पूर्वाह्न मंदिर की यज्ञशाला में कलश स्थापना व पंचांग पूजन करने के बाद गुरु गोरखनाथ का दर्शन करने मुख्य मंदिर की तरफ जा रहे थे। थोड़ी दूर बढ़ते ही उनकी नजर धूप में खड़ी एक नन्ही बच्ची पर पड़ गई। वह तुरंत बालिका के पास ही रुक गए।व्यस्तता कितनी भी हो, कार्य राजकीय हो या फिर धार्मिक-आध्यात्मिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बच्चों को अपने स्नेह से अभिसिंचित करने के लिए, उनका हालचाल जानने के लिए समय निकाल ही लेते हैं। आनुष्ठानिक कार्यक्रमों की उनकी व्यस्तता के बीच सोमवार को गोरखनाथ मंदिर के ऐसा ही एक नजारा देखने को मिला।मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर में वृहद धार्मिक-आध्यात्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार दोपहर मंदिर की यज्ञशाला में कलश स्थापना व पंचांग पूजन करने के बाद गुरु गोरखनाथ का दर्शन करने मुख्य मंदिर की तरफ जा रहे थे। थोड़ी दूर बढ़ते ही उनकी नजर धूप में खड़ी एक नन्ही बच्ची पर पड़ गई। वह तुरंत बालिका के पास ही रुक गए। मुख्यमंत्री का संकेत पाते ही साथ में मौजूद मंदिर के कार्यकर्ता अमित सिंह मोनू ने धूप से बचाने के लिए बालिका को उठा लिया। मुख्यमंत्री ने बालिका से उसका हालचाल पूछा, दुलारा और अपने हाथों से प्रसाद देकर खूब आशीर्वाद दिया। सीएम के यह पूछने पर कि धूप में क्यों खड़ी थी। बालिका ने मासूमियत से कहा, आपको देखने के लिए। इस पर मुख्यमंत्री हंस पड़े, साथ ही प्यार से समझाया कि बच्चों को तेज धूप से बचना चाहिए।

बिहार से जलेगी हिंदू राष्ट्र की ज्वाला, पटना में बोले धीरेंद्र शास्त्री- मेरे पागलों, इधर-उधर भटकना छोड़ दो

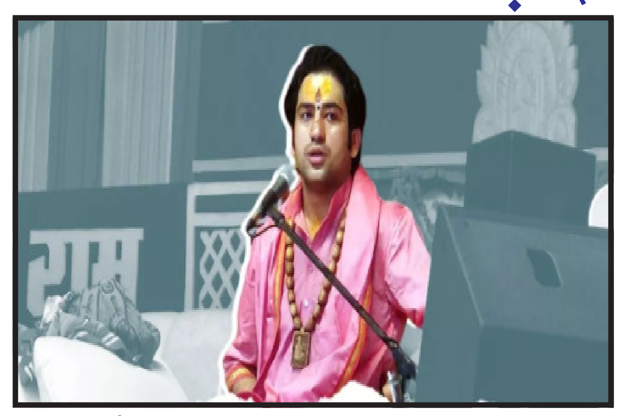

पटना- बागेश्वर धाम के आचार्य पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की हनुमंत कथा का आज यानी सोमवार को तीसरा दिन है। रविवार को चार लाख से ज्यादा की भीड़ को देखते हुए सोमवार को लगने वाले दिव्य दरबार को रद्द कर दिया गया है, लेकिन सोमवार को लाखों की भीड़ और परेशान होते भक्तों को देखकर बागेश्वर बाबा यानी धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सोमवार दोपहर 12 बजे से दिव्य दरबार लगाया, जिसमें वे दूर-दूर से आए लोगों की अर्जी को सुन रहे हैं। रविवार को चार लाख से ज्यादा की भीड़ को देखते हुए सोमवार को लगने वाले दिव्य दरबार को रद्द कर दिया गया लेकिन सोमवार को लाखों की भीड़ और परेशान होते भक्तों को देखकर बागेश्वर बाबा यानी धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने दोपहर 12 बजे से दिव्य दरबार लगाया है।दिव्य दरबार शुरू करने से पहले धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हिंदुओं में एकता हो तो उसका नजारा क्या होता है, इसका नजारा देखना हो तो आओ कुछ दिन गुजारो बिहार में। बिहार के लोगों को पिछड़े और बिछड़े कहा जाता था, बिहार के लोगों को पिछड़े और बिछड़े नहीं है, बल्कि भक्ति से भरे हुए लोग हैं। उन्होंने कहा, हमें तो ऐसा लग रहा है कि भारतीय हिंदू राष्ट्र की ज्वाला बिहार से धधक रही है। एक दिन ऐसा आएगा। पूरा भारत राममय होगा। उन्होंने कहा कि मेरे बिहार के पागलो, अब तुमको इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। हम आपको भूतों से नहीं, भगवान से मिलवाने आए हैं। रविवार को कथा के दौरान करीब 100 लोगों की तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद बाबा ने खुद भक्तों से कथा में आने से मना किया था। उन्होंने लोगों से टीवी पर कथा सुनने की अपील की थी। इसके बावजूद, लाखों की संख्या में भक्त सुबह से ही कथा पंडाल में मौजूद हैं। भीड़ को देखते हुए बागेश्वर बाबा का कथा कार्यक्रम रविवार से ही पल-पल बदल रहा है।रविवार को हनुमंत कथा को डेढ़ घंटे पहले रद्द कर दिया था। सोमवार को दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच प्रस्तावित दिव्य दरबार स्थगित करने की घोषणा 16 घंटे पहले ही कर दी गई। इसके बाद सोमवार सुबह 11 बजे मीडिया को कार्यक्रम की जानकारी देने के लिए होटल में आमंत्रित किया गया था, लेकिन उसे भी स्थगित कर दिया गया है। फिर 12 बजे से दिव्य दरबार लगाया गया, जिसमें पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अर्जी पर सुनवाई शुरू कर दी।

प्रशासन ने कराया इंतजाम

रविवार को पंडाल में भीड़ प्रबंधन के लिए सेक्टर और गलियारा का निर्माण नहीं किया गया था, जिसके कारण पूरी भीड़ मंच के आगे दबाव बना रही थी। आपदा प्रबंध में परेशानी को देखते हुए प्रशासन ने आयोजक से भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग कराया है। डी एरिया को पुलिस ने खाली करा दिया है।

आयोजक समिति का कहना है कि फिलहाल 6 लाख से ज्यादा भक्त मौजूद हैं, जिनके लिए 3 लाख स्क्वायर फीट में बना जर्मन पंडाल भी छोटा पड़ रहा है।

कॉलेजों में शुरू किया जाए गर्भ संस्कार पाठ्यक्रम; राज्यपाल ने दिया महिला सशक्तिकरण पर जोर

बरेली के रुहेलखंड विश्वविद्यालय में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कई नए पाठ्यक्रम शुरू करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि शोध के अनुसार आठ साल तक की उम्र में बच्चों का मानसिक विकास 80 फीसदी तक हो जाता है। इस दौरान बच्चों को संस्कृति और संस्कार पढ़ाना चाहिए ताकि बच्चे बड़े होकर सभी नागरिक बन सकें। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को बरेली के रुहेलखंड विश्वविद्यालय में स्थापित इंक्यूबेशन फाउंडेशन समेत सात परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया। राज्यपाल ने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि इसकी शुरुआत बेटियों से करनी चाहिए। गर्भ संस्कार के बारे में भी छात्रों को अवगत कराने को कहा। इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालय को डॉक्टरों और वैदिक आचार्यों के साथ मिलकर मंथन करने का सुझाव दिया। महिलाओं के मेनोपॉज से छात्राओं को रूबरू कराने के लिए पाठ्यक्रम बनाने के सुझाव दिए। कहा कि अगर छात्रा मेनोपॉज के बारे में समझेगी तो वह खुद की, मां-सास, बहन और परिवार की अन्य महिला सदस्यों की मदद करने में सक्षम होगी। आनंदीबेन पटेल ने कहा कि कक्षा पांच पास करने वाले बच्चों को बचपन से ही कौशल विकास का प्रशिक्षण देना चाहिए। छोटे-छोटे गुर सिखाने चाहिए ताकि बड़े होकर वह किसी भी कार्य में दक्षता हासिल कर रोजगार के विकल्प बना सकें। उन्होंने लड़कों के शैक्षिक स्तर में उच्च प्रदर्शन की क्षमता में

गिरावट पर चिंता जताई।

छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन पर जताई चिंता

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों में 80 फीसदी छात्राएं गोल्ड मेडल हासिल कर रही हैं, जबकि छात्रों की संख्या में महज 20 फीसदी है। कहा कि अगर छात्रों की स्थिति गिरती रही तो छात्र-छात्रा का सामंजस्य बिगड़ेगा, जो देश के विकास में बाधक होगा। छात्र-छात्रा दोनों को बेहतर प्रदर्शन कर सामान स्तर पर होना चाहिए। कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थियों से परिवार के अग्रज का सम्मान करने, बुजुर्ग माता-पिता का हर स्तर से मदद करने का सुझाव दिया।

कई परियोजनाओं का किया लोकार्पण

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दिशा की बैठक में पहुंचकर छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। वहां से वह 10=35 बजे विश्वविद्यालय परिसर में पहुंच गईं। राज्यपाल ने रुहेलखंड इन्क्यूबेशन सेंटर, डिजिटल पांचाल म्यूजियम, एचडीएफसी ई लॉबी एंड ई-कार्नर, ईवी चार्जिंग प्वाइंट, डायरेक्टरेट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशनशिप ऑफिस भवन, यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स स्पोर्ट सेंटर, यादगार वन का लोकार्पण किया। साथ ही, सीएसआर फंड से प्राप्त डिजिटल एक्सरे मशीन, टीबी न्यूट्रिशनल सेल, विधि विभाग में सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा, सेंटर आफ मल्टीलिंगुअल का लोकार्पण किया।

महिलाओं का उद्यमी होना अच्छे संकेत

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि आयोजन में दो महिलाओं ने संघर्ष से बताया कि आज वे कहां से कहां पहुंच गईं हैं। आज से 40 से 50 साल पहले महिलाओं के लिए पढ़ाई की व्यवस्था नहीं थी। मैंने भी यह सब झेला है। अब समय बदल चुका है और महिलाएं अपने और परिवार का विकास कर सकती हैं। राज्यपाल यहां आने से पहले दिव्यांगजनों के एक स्कूल में पहुंचीं। वहां की महिला स्कूल संचालक ने बताया कि पति के देहांत के बाद बरेली स्थित मायके में आकर दिव्यांग बच्चों के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

चंदौली में दर्दनाक हादसा: हाईटेंशन तार के कारण चलते कंटेनर में लगी आग, बुलेट सवार युवक और किशोर जिंदा जले

चंदौली जिले के कटरिया-रामनगर मार्ग पर हाईटेंशन तार से संपर्क में आने के कारण कंटेनर ट्रक में आग लग गई। बुलेट बाइक सवार दो युवक आग की चपेट में आकर जिंदा जल गए। यूपी के चंदौली जिले से सोमवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के डहिया-परोरवा माईनर गांव के समीप सोमवार दोपहर एक कंटेनर पोल से लटके हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। आग लगते ही चालक कंटेनर से कूद गया। आग लगे कंटेनर की चपेट में आने से बुलेट बाइक सवार एक युवक और किशोर जिंदा जल गए।बाइक भी जलकर खाक हो गई। यह सब कुछ इतना जल्दी हुआ कि किसी को कुछ समझ नहीं आया। लोग तमाशबीन बने रहे। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने विद्युत आपूर्ति बंद कराकर शवों को कब्जे में लिया। हादसे की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। औद्योगिक क्षेत्र की ओर से एक कंटेनर सोमवार दोपहर परोरवा की ओर जा रहा था। डहिया गांव के समीप कंटेनर हाई टेंशन विद्युत प्रवाहित तार के संपर्क में आ गया। इससे उसमें भी करंट प्रवाहित होने लगा। चालक कंटेनर छोड़कर कूद गया। इस दौरान अलीनगर थाना क्षेत्र के कटरिया गांव निवासी पप्पू यादव का 21 वर्षीय पुत्र सुनील यादव और बृजेश यादव का पुत्र 16 वर्षीय शांतनु यादव बुलेट से परोरवा गांव से एलुमिनियम का दरवाजा लेकर घर जा रहे थे। कंटेनर के पास से गुजरने के दौरान बाइक सवार दोनों लोग कंटेनर के संपर्क में आ गए। दोनों कुछ समक्ष पाते इससे पहले बुलेट में आग लग गई। आग की लपटों को देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे लेकिन आग बुझाने में असफल रहे। आग में दोनों युवक जल गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बिजली आपूर्ति बंद कराया। आग पर काबू पाने के बाद शवों को कब्जे में लेकर पुलिस अगली कार्रवाई में जुट गई। परिजनों में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए।

19 को थी सुनील की शादी- डहिया गांव के समीप हुए हादसे का शिकार सुनील की शादी 19 मई को तय थी। घर पर शादी की तैयारी जोरों पर थी। घर पर शौचालय बनवाया जा रहा है। जिसका दरवाजा परोरवा गांव से खरीद कर सुनील घर जा रहा था।

संपादकीय Editorial

Sanjeevani to Congress

Karnataka's mandate and clear majority have been in favor of the Congress. The Congress has won 135 seats and the BJP 65, while the Janata Dal-S has managed to win only 19 seats. The strength and figures of both BJP and JD-S have reduced. The Congress was left with 69 seats in the last assembly. It has got 66 more seats. BJP has reduced from 118 seats to 65. JD-S has suffered a huge loss and has been reduced from 32 seats to 19. This mandate for the Congress is the biggest since 1989, when the party got around 43 per cent votes. This vote percentage is much higher than BJP's 36 per cent. Surely this is the 'Sanjeevani' from the Congress side, which the voters of Karnataka have brought. Guess with whom 'Bajrang Bali' is present! In fact, from the time the elections began, there was a clear 'undercurrent' in favor of the Congress, but the mood was fundamentally anti-BJP. This time the public wanted to teach a lesson to the ministers and MLAs of BJP, that's why 12 ministers have lost the elections. It is believed that even if Yeddyurappa would have been the chief minister-face of the BJP, BJP's defeat would have been certain. Congress has got this mandate as an alternative to BJP. More important than the victory of the Congress is the defeat and infighting of the BJP, because Karnataka has been the only hope of the BJP in the south. It cannot be considered a BJP bastion as the party never got a clear mandate. Several BJP leaders, especially Union Parliamentary Affairs Minister Pralhad Joshi, had asked Yeddyurappa not to campaign in their constituencies. They'll take care of themselves. As a result Yeddyurappa found himself sidelined and campaigned limited. Caste leaders in some Lingayat-dominated areas also urged Yeddyurappa not to campaign in those areas as Lingayats would vote for the Congress. It is also clear from the mandate that Lingayats are no longer confined to the BJP. However, this is a moment of celebration for the Congress. Now there will be Congress governments in 4 states of the country. Apart from them, the Congress is also a constituent in the coalition governments in the states of Bihar, Jharkhand and Tamil Nadu. More or less it should now stop making public claims that India can be Congress-mukt. Chhattisgarh Chief Minister Bhupesh Baghel has even taunted that now the South has become BJP-free. Actually BJP has been defeated at every level in Karnataka. According to the analysis that is coming out, the victory of Congress was due to the mobilization of Muslims and OBCs and one-sided votes. About 72 percent of the Muslims voted in favor of the Congress, as a result of which the mandate of every region was Congress. The BJP was ahead of the Congress only in the coastal region of Karnataka. Those whom the BJP used to consider as its bastion and where it has been continuously getting mandates, the BJP has been defeated. Apart from these, workers, farmers, women, tribals, Dalits, Lingayats, Vokkaligas etc. also considered Congress as 'first choice' and voted for it. The major reason for BJP's failure was also that Prime Minister Modi raised issues like 'Bajrang Bali', 'poisonous snake' and 'double engine'. Now the current question is whether the effect of Karnataka's mandate will last till the 2024 general elections?Sanjeevani to Congress Karnataka's mandate and clear majority have been in favor of the Congress. The Congress has won 135 seats and the BJP 65, while the Janata Dal-S has managed to win only 19 seats. The strength and figures of both BJP and JD-S have reduced. The Congress was left with 69 seats in the last assembly. It has got 66 more seats. BJP has reduced from 118 seats to 65. JD-S has suffered a huge loss and has been reduced from 32 seats to 19. This mandate for the Congress is the biggest since 1989.

The Kerala Story: Against the ban, respect for freedom of expression is far from over

The Kerala Story is not my favorite film. Despite this, I am strongly opposed to banning it. When will the day come, when people will not have to suffer the punishment of exile and ban of films because of different thoughts or thinking! These days there is a huge uproar in India over the film The Kerala Story. In view of the apprehensions of protest, this film has been removed from cinema halls at many places. Will the publication and sale of a book be stopped just because there is an uproar over it? Will a film be banned if there is an uproar? Will a picture exhibition be locked if there is an uproar? Will a writer be removed from the city, state, country or even the world if there is an uproar? But why? Why can't our society tolerate uproar or controversy? If a film or documentary does not conform to it, then there is a demand to ban it with one voice. Why so? Our society really cannot tolerate movement or agitation. He is a supporter of status quoism. He wants the ugly and cruel truth of the society not to come out. As far as I am concerned, watching The Kerala Story movie recently, I felt exactly the same as watching The Kashmir Files. In both the films, a particular community is the target. If about 1.9 billion Muslim population of this world were terrorists, then what would be the condition of this earth, it can be imagined. Rather, I believe that in the total Muslim population, the number of people who do not offer namaz, who do not keep fast, who do not know and do not believe in religion is more. On the other hand, educated and civilized people who talk about equal rights and human rights of women are also not less in Muslim society. Quality wise, The Kerala Story is not a very good film. There is truth in this, but there is a lot of entertainment along with facts. Anti-human and anti-women things of Quran and Hadith have been put in it so much that the dialogues do not seem natural and spontaneous. The films made here on the vandalism of a terrorist organization like IS are better than The Kerala Story in terms of quality. I have visited Muslim dominated areas like Kozhikode and Calicut several times to participate in the Kerala Lit Fest. Especially in Calicut, I was surprised by the large number of men and women who came to take my speech and autograph. There people did not protest and boycott me despite my name being called from the stage. While the 'secular' Muslims of Kolkata took out a procession against me! So the fact that 32,000 girls from Kerala have joined IS, I find suspicious. However, it has been pointed out that this is not the actual figure. I believe the number of people joining IS from Pakistan and Bangladesh would be much higher. That's why in my view it is more important to make 'Pakistan Story' or 'Bangladesh Story'. Some of the critics of The Kerala Story say that it is not based on true events. But why is it necessary for this film to be completely based on truth? Most of the movies are fictional. Yes, if a film claiming to be a true story is far from truth and facts, then questions will be raised on it. But my question is whether this film is propagating hatred. I firmly believe that no film or piece of art should spread hatred or ignite fire. Actually this hatred or fire is already there in the thinking of man, which flares up on seeing it. So, is it the fault of the art or the man and the society? Art or artists do not incite violence, this is the work of politicians. Violence spreads in the society due to the performance of a play or film, then immature politicians are most likely to be behind it. It is because of them that unrest spreads in the society. The Kerala Story is not my favorite film. Despite this, I am strongly against banning this film. May be, this movie will inspire some people to become anti-Muslim. Many literatures and art works inspire man to stand for or against a philosophy. But it does not mean that such literature or craft works should be banned unilaterally. If freedom of expression is banned like this, then democracy itself becomes meaningless. A society changes only when it moves out of the status quo, and in this process the sentiments of some group or community may be hurt through literature or art. The solution to this is not ban at all. People's sentiments can be hurt even in the process of separating religion from the nation or abolishing anti-women laws. If this is taken care of, then how will the desired changes in the society be possible? It must be remembered that the process of ending the supremacy of the Church in Europe also hurt the religious sentiments of innumerable people. If the society of Europe had stopped, then even today it would not have been able to get out of the dominance of the church in its life. The establishments of Galileo and Darwin had also hurt the religious sentiments of the people, but that did not change the truth. If people stop speaking the truth while caring about the feelings of the people, let alone do scientific thinking, it will not take long for the society to regress. What is worrying is that this fight for freedom of expression is going on not only in India or the Indian subcontinent, but all over the world. And it's not a fight between religions, but between secularism and fundamentalism There is a fight between. It is a battle between scientific thinking and bigotry, rationality and superstition. It can also be understood from my long exile that how strong the supporters of status quoism are in the society. I can only wish that no one else in the world is punished with such a long exile for holding a different opinion. When will the day come, when people will not have to suffer the punishment of exile and ban of films because of different thoughts or thinking!

Viewpoint: Dismantling of military cantonments is right, crores of rupees will be saved and land will be free

After the dissolution of military cantonments, about four hundred and seventy crore rupees will be saved for the army under this head. In the cacophony of news like Karnataka assembly elections, same-sex marriages, shaky situation in Pakistan and Delhi Chief Minister's residence, the important news of fundamental change in the format of army cantonments got buried. In this regard, the Central Government's notification issued on April 27 will affect a large number of common citizens and military personnel. There are a total of sixty two military cantonments in the country. There is one lakh sixty one thousand hectares of land under the control of these cantonments. The establishment of military cantonments began with the Barrackpore cantonment near Calcutta after the Battle of Plassey in 1757. In fact, the basic idea behind this was to keep the Indian soldiers of the East India Company away from the general public, so that their loyalty would remain intact. Apart from this,

it was also necessary to settle the army outside the city to protect it from various infectious diseases. Improved sanitation and maintenance of military-populated areas under direct control and the protection of military planning and preparation from espionage were also important objectives.

However, even after independence, six new military cantonments were established, the latest of which is at Nasirabad near Ajmer. Before independence, the management of military cantonments was in the hands of the local military commander through the Cantonment Board. By amending the Cantonment Board Act of 1889 in 2006, democratic India adopted the path of democratically electing them, but retaining the control of the local military commander. This neither satisfied the civilians living in the cantonment area nor was the military establishment eager to fully shoulder this additional responsibility. Meanwhile, the boundaries of the cities expanded at an amazing rate and the cantonments remained like islands in the middle of the big cities.

Common citizens, who were suffering from acute shortage of housing in the cities near the cantonments, became envious of seeing the big bungalows of military officers in the cantonment area and the restrictions imposed on the movement of civilians from the point of view of security, aroused anger towards these cantonments. On the other hand, the market value of landed property started touching the heights of the sky,

so the army's occupation of this valuable property became a cause of envy and anger. Families of soldiers posted in forward areas not only get security in these cantonments, but also all facilities like ration water, education, military canteen, treatment and hospital etc. Therefore, the decision of the government to open the way to the army cantonments to the common people was not warmly welcomed in the army, even though our well-disciplined army obeyed the order immediately.

But gradually a new thinking came in the army as well, according to which the cantonment areas were the bearers of the colonial tradition in our democratic system. On a practical level, it was also felt that the local army commander would be free from the responsibility of the post of President of the Cantonment Board and would be able to concentrate fully on military management and strategic preparation. Today, the army needs trillions of rupees for the purchase of equipment,

modern aircraft, warships and other resources, the burden of salaries and pensions of the soldiers consumes a large part of the allocated funds. In such a situation, it would be better if the army does not have to bear the financial burden of maintaining the cantonments. According to an estimate,

after the dissolution of the cantonments, the army will save about four hundred and seventy crore rupees in this head, because the army will only be responsible for the management of the military station built inside the cantonments. Overall, the decision to dissolve the Cantonment Boards is a progressive step in a democratic set-up.

खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं एडीओ पंचायत सामंजस्य के साथ कार्य कर प्रगति बढ़ाये - जिलाधिकारी

मुरादाबाद - जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टेउट सभागार में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति एवं ओ0डी0एफ0 प्लस के अर्न्तगत ग्रामों की समीक्षा बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने ऑपरेशन कायाकल्प की समीक्षा करते हुए ए0डी0ओ0 पंचायत से ब्लाकवार जानकारी प्राप्त करते हुए ऑपरेशन कायाकल्प संतृप्तीकरण में गति बनाये रखने के निर्देश दिये हैं। ऑपरेशन कायाकल्प के अर्न्तगत 19 पैरामीटर पर 642, 18 पैरामीटर पर 367 विद्यालय, 16 पैरामीटर पर 97, 15 पैरामीटर पर 88 तथा 14 पैरामीटर पर 43 विद्यालय संतृप्त होने पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि 14, 15, 16 पैरामीटर पर विशेष ध्यान देकर शत प्रतिशत संतृप्तीकरण का कार्य पूर्ण किया जाए।

जिलाधिकारी ने बैठक में कहा कि जो भी विभिनन शासकीय योजनाएं हैं, उनका विशेष ध्यान रखते हुए अधिकारीगण नियमित मॉनीटरिंग करते रहें, मनरेगा के कार्यो पर भी ध्यान दें, जहां पर स्कूलों में आंगनवाडी केन्द्र हैं,

उन्हें भी सुसज्जित किया जाए। जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि स्कूलों के साथ-साथ आंगनवाडी केन्द्रों की भी रंगाई-पुताई करायी जाये और आंगनवाडी केन्द्रों को भी सुसज्जित करा दिया जाए, इनकी समीक्षा कर संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी कार्यो का संपादन समय से करते रहें, आपस में समन्वय के साथ कार्य करते हुए विकास योजनाओं को गति प्रदान करें।

उन्होंने कहा कि एडीओ पंचायत ग्राम प्रधानों का सहयोग लेकर ऑपरेशन कायाकल्प में बेहतर प्रगति सुनिश्चित करें तथा आंगनवाडी केन्द्रों पर भी बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें। ब्लाक टास्कफोर्स द्वारा विद्यालयों के किए गये निरीक्षण का प्रतिशत खराब होने पर जिलाधिकारी ने प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये हैं।

जिलाधिकारी ने पंचायत राज विभाग के शौचालय निर्माण, पंचायत भवन, रेटरो फिटिंग, अन्त्येष्टि स्थल, बहुउद्देश्य पंचायत भवन, जनसेवा केन्द्र, गौ आश्रय स्थल एवं आइजीआरएस की समीक्षा करते हुए खण्ड विकास अधिकारियों एवं एडीओ पंचायत को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। व्यक्तिगत शौचालय सत्यापन रिपोर्ट में बिलारी, छजलैट, डिलारी, कुन्दरकी, मुरादाबाद में कार्य प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने सभी 643 ग्राम पंचायतों के पंचायत भवनों में विद्युत कनेक्शन का कार्य शतप्रतिशत कराने के निर्देश एडीओ पंचायत को दिए। सामुदायिक शौचालय की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने शत प्रतिशत शौचालयों पर समूहों को तैनाती करने के निर्देश दिए तथा सामुदायिक शौचालय पर तैनात केयरटेकर का भुगतान समय से करने के निर्देश दिये। कई विकास खंडों मे केयर टेकरों का भुगतान लम्बित होने पर जिलाधिकारी ने कडी नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल भुगतान करने के निर्देश दिये।

ओडीएफ प्लस के अर्न्तगत ब्लाक बिलारी की तुलना में अन्य ब्लाकों में कार्य प्रगति खराब होने पर डीपीआरओ को मुख्य विकास अधिकारी के साथ मिलकर प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये हैं। व्यक्तिगत शौचालय सत्यापन रिपोर्ट पर ठाकुरद्वारा की स्थिति खराब होने पर वहां के एडीओ पंचायत को ठीक प्रकार से कार्य करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने पंचायत सहायकों का भुगतान समय से करने के निर्देश दिये हैं।

ग्राम सचिवालय में जनसेवा केन्द्र की स्थापना की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि धनराशि ट्रान्सफर कर कार्य पूर्ण करायें ताकि आम लोगों के द्वारा सेवा का लाभ उठाया जा सके। जिलाधिकारी ने खण्ड शिक्षा अधिकारियों से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाये कि शिक्षकगण सही समय से विद्यालय पहुंचे और पूरी लगन के साथ बच्चों को पढायें। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस की समीक्षा करते हुए बीएसए, डीपीआरओ एवं डीपीओ से कहा कि डिफाल्टर होने से जनपद के नम्बर कट जाते हैं और जिले की रैकिंग गिर जाती है इसलिए किसी भी दशा में डिफाल्टर न होने पाये, शिकायतों का समयबद्धता एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाये।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव, परियोजना निदेशक सतीश प्रसाद मिश्र, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी डा0 अनुपमा शांडिल्य, जिला पंचायतीराज अधिकारी अभय कुमार यादव, खण्ड विकास अधिकारी, एडीओ पंचायत, खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी के सफलतापूर्वक आयोजन में सभी लोग अपना सकारात्मक सहयोग प्रदान करें-जिलाधिकारी

मुरादाबाद - जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में 27 मई से 27 जून 2023 तक चलने वाली जिला कृषि विकास एवं सांस्कृतिक प्रदर्शनी मुरादाबाद के सफलतापूर्वक आयोजन एवं विभिन्न कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के संबंध में कलेक्टेउट सभागार में बैठक आहूत की गयी। इस दौरान बैठक में प्रदर्शनी समिति के सदस्यों से भी आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में सुझाव आमंत्रित किए गये।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि 4 वर्षो के बाद जिला कृषि विकास एवं सांस्कृतिक प्रदर्शनी का आयोजन शुरु होने जा रहा है। यह प्रदर्शनी 27 मई से 27 जून 2023 तक चलेगी। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद एक औद्योगिक हव है। कृषि विकास के साथ औद्योगिक को भी जोडते हुए मंथन किया जाये। महाप्रबन्धक जिला उद्योग को भी बैठक में शामिल किया जाए। प्रदर्शनी में अच्छे-अच्छे कार्यक्रम शामिल किए जाए, जो कार्यक्रम किए जाए उन्हें पहले से तय कर लिया जाये। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रतिभाओं के साथ राष्ट्रीय स्तर की प्रतिभाओं पर भी नजर रखी जाए।

अलग-अलग कमेटियों का गठन कर लिया जाए और लोगों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी जाए। कार्यक्रमों का बेहतर प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ बौद्धिक कार्यक्रम भी किए जाए। प्रदर्शनी के सफलतापूर्वक आयोजन में सभी लोग अपना सकारात्मक सहयोग प्रदान करें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव ने कहा कि जो भी सुझाव आये हैं उन्हें नोट कर लिया गया है। जिला कृषि विकास एवं सांस्कृतिक प्रदर्शनी आपके द्वारा एवं सभी की सहभागिता से चलेगी। स्थानीय स्तर के कलाकरों व कार्यक्रमों के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार से अधिक भीड जुटाने का कार्य किया जायेगा।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर आलोक कुमार वर्मा, सिटी मजिस्टेउट ज्योति सिंह, जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बृद्धप्रिय सिंह, प्रदर्शनी प्रभारी राहुल शर्मा, डा0 विशेष गुप्ता, डा0 प्रदीप शर्मा, संजीव अकांक्षी, सुशील कुमार शर्मा, श्याम सरन खन्ना, पंजक दर्पण, हाजी अशरफ अली, कुमार देव, कशिश वारसी, परवेज नाजिम, अतुल सोती, जिया, नावेद सिद्दीकी आदि उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन प्रशासनिक अधिकारी गोपी कृष्ण ने किया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक सम्पन्न

टी0एच0आर0 फीडिंग में सुधार लाने के दिए निर्देश

मुरादाबाद - जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक कलेक्टेउट सभागार में आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए आई0सी0डी0एस0 एवं आंगनवाडी कार्यकत्रियों को अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। पोषण टैक्कर पोर्टल टी0एच0आर0 डिस्ट्रीब्यूशन में प्रगति खराब होने पर जिलाधिकारी ने सीडीपीओ से कहा कि यह बतायें कि किस तरह से एप्रूव किया जा सकता है। होम विजिट स्टेटस में जिलाधिकारी ने पोषण टेक्कर ऐप पर सीडीपीओ को आंकड़े दुरस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पोषण टेक्कर पर ठीक प्रकार से सैम बच्चों का चिन्हाकंन किया जाए। एनआरसी एडमिशन में कांठ अर्वन, कुन्दरकी में स्थिति खराब होने पर जिलाधिकारी ने बेहतर प्रयास कर ठीक करने के निर्देश दिए।

बीएचएसएनडी के अर्न्तगत आयोजित सत्रों की एंट्री पोषण टैक्कर पोर्टल पर और बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सेम एवं मेम चिन्हित बच्चों की संख्या के आंकडे भी दुरस्त रखे जाए। एनआरसी एडमिशन में प्रगति खराब होने पर जिलाधिकारी ने प्रगति बढ़ाने के साथ ही एनआरसी सेन्टर पर लाने से पहले बच्चें के माता-पिता से सहानुभूति पूर्वक कांउसलिंग करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने आई0सी0डी0एस0 विभाग को निर्देश दिये कि गर्भवती महिलाओं को पूर्ण जानकारी उपलब्ध करायें।

उन्होंने विशेष जोर देकर कहा कि जिन बच्चों को स्वास्थ्य ट्रीटमेंट की आवश्यकता है स्वास्थ्य विभाग उनकी जांच कर आवश्यक ट्रीटमेंट उपलब्ध करायें। सेम बच्चों को ई-कवज पोर्टल पर शतप्रतिशत एंट्री करें, जिससे कि हमारा कार्य दिखना चाहिए। जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिये कि वह भी अपेक्षित सहयोग बनाये रखें। उन्होंने कहा कि वी0एच0एस0एन0डी0 सेशन पर सभी आवश्यक उपकरण अवश्य हों, इसका विशेष ध्यान देते हुए कार्य सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिये कि एनीमिया टेवलेट का स्कूलों में समय पर अवश्य इस्तेमाल करायें और सभी प्रधानाचार्यो तक इस बात हो पहुंचायें, ताकि बच्चें मानसिक एवं शारीरिक रुप से स्वस्थ्य रहें।

जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों की ग्रोथ हेतु संतुलित आहार के लिए पूरे हफ्तेभर हेतु चार्ट बनाये तथा उसी के अनुसार प्रतिदिन खाना बनाया जाये।

उन्होंने कहा कि ड्यू लिस्ट का अपडेशन बहुत महत्व है इसे अपडेट करते रहें। गर्भवती महिलाओं का प्रत्येक माह वजन किया जाये तथा शत प्रतिशत बच्चों की भी कवरेज की जाये।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव, परियोजना निदेशक सतीश प्रसाद मिश्र, डिप्टी सीएमओ, डीपीएम रघुवीर सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी डा0 अनुपमा शांडिल्य, सीडीपीओ, डिवीजन कोआर्डिनेटर मो0 रिजवान, एमओआईसी एवं अन्य संबंधित अधिकारी एवं नगर निगम, स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायतीराज आदि विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

www.knlslive.com

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर हादसे में पति की मौत, पत्नी गंभीर

मुरादाबाद- पाकबड़ा थाना क्षेत्र में डींगरपुर रोड पर सोमवार की सुबह ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार संभल निवासी दिलशाद की मौत हो गई। जबकि, उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे कांठ रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जनपद संभल के नखासा थाना क्षेत्र के गांव हिसामपुर निवासी दिलशाद दूध बेचने का काम करता था। परिवार में पत्नी हुस्ना बी, तीन बेटे तजम्मुल, अरमान व तहजीब और दो बेटियां शमा परवीन व हिना हैं। दिलशाद अपनी पत्नी के साथ पाकबड़ा स्थित ससुराल आया हुआ था। सोमवार की सुबह लगभग पांच बजे दिलशाद पत्नी हुस्ना बी के साथ बाइक से गांव लौट रहा था। पाकबड़ा थाना क्षेत्र में डींगरपुर रोड पर ग्रोथ सेंटर के आगे गोल चक्कर के पास पहुंचे तभी पीछे से आए ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। ट्रक में फंस कर बाइक कुछ दूर तक घिसटती चली गई। दिलशाद और उसकी पत्नी भी उसके साथ घिसटते रहे। बाइक सवारों को रौंदने के बाद चालक ट्रक समेत भाग निकला। हादसे में दिलशाद की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि हुस्ना बी गंभीर रूप से घायल हो गई। राहगीरों की सूचना पर पाकबड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और दिलशाद के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबकि गंभीर घायल हुस्ना बी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। गंभीर हालत देखते हुए चिकित्सकों ने उसे रेफर कर दिया। जिसके बाद उसे कांठ रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दिलशाद की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। एसएचओ पाकबड़ा मोहित चौधरी ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश की जारी है।

खेत में तेंदुए के दो बच्चे मिलने से ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग ने दी सतर्कता बरतने की सलाह

मुरादाबाद- हीरापुर गांव के किसान के खेत में तेंदुए के दो बच्चे मिलने से ग्रामीणों में दहशत है। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग ने बच्चों को देखकर उन्होंने तेंदुए के आसपास ही होने की आशंका जताई है। ग्रामीणों से सतर्कता बरतने को कहा हैं। ग्राम चाऊपुरा में भी तेंदुआ देखा गया है। शनिवार को थाना कांठ क्षेत्र के ग्राम हीरापुर निवासी अशोक कुमार शर्मा के खेत में तेंदुआ दिखाई दिया था। तेंदुए के बच्चे भी वहां मौजूद थे। तेंदुए ने किसान अशोक कुमार पर हमला कर दिया था, लेकिन उनके परिजनों के ललकार के बाद तेंदुआ पीछे हट गया था। रविवार को किसान अशोक कुमार शर्मा, परशुराम शर्मा, गोल्डी, महेंद्र सिंह यादव, रतन सिंह, निपेंद्र यादव, सोनू सिंह, रोहताश सिंह, नरेश कुमार आदि ने वन विभाग के कर्मचारियों के साथ जंगल में कांबिंग की थी। लेकिन वह उस गन्ने के खेत में नहीं घुसे थे, जहां उन्होंने तेंदुआ घुसते देखा था। वहां वह नहीं गए थे। वन विभाग की टीम व ग्रामीणों ने वहां पर गन्ने के खेत में तेंदुए के बच्चे (शावक) होने की आशंका भी जताई थी। सोमवार सुबह जब किसान अशोक के साथ उनके खेत पर पहुंचे तो वहां गन्ने के खेत में जैसे ही वह घुसे वहां पर दो तेंदुए के बच्चे दिखाई दिए। जिससे वह घबरा गए और उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को तेंदुए के बच्चे होने की जानकारी दी। इसके बाद वन दरोगा कपिल, पीयूष कुमार जोशी वन विभाग की टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने वन विभाग के आला अधिकारियों को घटना के बारे में जानकारी दी। डिप्टी रेंजर पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि जिस समय मादा तेंदुआ या तो बच्चे दे चुका होती है या गर्भ से रहती है तो वह इस कारण से गुस्से में रहकर हमला कर सकती है। इसलिए लोगों को इस से दूरी बनाकर रहना चाहिए। सावधानी ही बचाव हो सकता है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

निकाय चुनाव में गठबंधन प्रत्याशियों ने जीत दर्ज कर गठबंधन दलों को मजबूत किया है- राजू आर्य

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- नगर निकाय चुनाव में जनपद एटा की सभी नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों में अधिकांश स्थानों से भाजपा प्रत्याशियों की जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए अपना दल एस के जिला प्रभारी रंजीत कुमार उर्फ राजू आर्य ने सभी को बधाईयां देते हुए कहा है कि वर्तमान में प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ सरकार के जनहित कार्यों की वजह से आम जनमानस खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहा है। और सरकार के द्वारा किए जा रहे इन्हीं कार्यों के प्रतिफल नगर निकाय चुनावों में भाजपा गठबंधन एवं मोदी, योगी लहर देखने को मिली है, जो आगामी 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए शुभ संकेत है। अपना दल एस के जिला प्रभारी राजू आर्य ने नगर पालिका परिषद एटा से श्रीमती सुधा गुप्ता एवं नगरपालिका अलीगंज से भाजपा प्रत्याशी श्रीमती सुनीता गुप्ता सहित अन्य सभी विजय महिला पुरुष भाजपा के प्रत्याशियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। और इस जीत के लिए उन्होंने मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें भी बधाई दी है। तथा विजई प्रत्याशियों द्वारा चुनाव के दौरान जनता से किए गए वायदे पूरे किए जाने का भरोसा भी दिलाया है। यह भी बताते चलें कि राजू सरकार में सहयोगी अपना दल एसके जिला प्रभारी है। और उन्होंने गठबंधन के नाते अपनी पार्टी अपना दल एस के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अंतर्गत भाजपा प्रत्याशियों को जिताने के लिए प्रचार प्रसार में अहम रोल अदा भी किया है।

12548 रुपये की धनराशि को पीडित के बैंक खाते में वापस कराया

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- सराहनीय कार्य साइबर क्राइम सैल जनपद एटा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री उदयशंकर सिंह के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक अपराध एटा श्री विनोद कुमार पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के परिदृश्य चलाए जा रहे अभियान के तहत साइबर सैल एटा द्वारा आनलाइन ठगी का शिकार हुए शिकायतकर्ता श्री जितेन्द्र कुमार नि0 बाईपास स्टेशन रोड जलेसर थाना जलेसर जनपद एटा मो0न0 8755970693 ने प्रार्थना के माध्यम से अवगत कराया कि शिकायतकर्ता के क्रेडिट कार्ड से किसी अज्ञात ने 27546 रूपये का फ्राड कर लिया के आरोप अंकित किये गये ।

अपर पुलिस अधीक्षक अपराध एटा द्वारा साइबर सेल की टीम को प्रकरण की जांच कर शिकायतकर्ता की समुचित मदद करने हेतु निर्देशित किया गया। साइबर सैल एटा द्वारा मामले की गंभीरता से जांचकर त्वरित व लाभप्रद कार्यवाही करते हुए तथा सम्बन्धित बैंक/गेट-वे को ई-मेल करते हुये शिकायतकर्ता की 12548 रुपये की धनराशि को पीडित के बैंक खाते में वापस कराया गया है। अपने पैसे वापस पाकर शिकायतकर्ता द्वारा एटा पुलिस को धन्यवाद देते हुए भूरि भूरि प्रशंसा की गई है। साइबर क्राइम सैल टीम जनपद एटा उ0नि0 श्री अभिषेक कुमार आरक्षी अजयपाल सिंह आरक्षी अर्जुन सिंह साइबर सैल एटा द्वारा साइबर ठगी से बचने हेतु आमजन को संदेश 01- किसी भी कम्पनी का कस्टमर केयर नम्बर उस कम्पनी के आधिकारिक वेबसाइट से ही प्राप्त करें क्योकि आजकल साइबर ठगों द्वारा अपने नम्बरों को विभिन्न आनलाइन कम्पनियों के कस्टमर केयर के नाम से गूगल पर अपडेट किया गया है। 02- कोई भी बैंक अधिकारी फोन पर कभी भी आपसे एटीएम खाते क्रेडिट कार्ड अन्य से सम्बन्धित जानकारी नहीं मांगता इसलिए कभी भी फोन काल पर अपने बैंक से सम्बन्धित जानकारी शेयर ना करें। 03- किसी भी क्यूआर कोड से पेमेंट लेते/देते समय यह अवश्य चेक करें कि क्यूआर कोड पेमेंट रिसीव करने वाला है। 05- किसी भी प्रकार का साइबर क्राइम होने पर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज कराये । 06- खाते में चढ्ढा अपडेट कराने के लिये बैकों द्वारा कभी भी किसी से व्यक्तिगत जानकारी/OTP/CVV/पिन नम्बर नही मांगे जाते है। 07- ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करने वाली कम्पनियों व सरकारी विभाग/कम्पनियों के कस्टमर केयर का नम्बर आधिकारिक वेबसाइट से ही प्राप्त करे ।

जिन मुस्लिम प्रत्याशियों वाले वार्ड को हारी, वहां भी निकला भाजपा को वोट

अलीगढ-नगर निगम के चुनाव परिणाम पर अगर गौर करें तो 90 में से 88 वार्ड में भाजपा ने प्रत्याशी उतारे। जिनमें से 18 मुस्लिम थे। इनमें से 40 पर भाजपा बहुमत के साथ जीती है और 5 पर निर्विरोध निर्वाचित हुई है। शेष 43 में भाजपा बेशक हारी है। मगर वहां वोट मिलने में भाजपा के मेयर पद के लिए कोई कोताही नहीं हुई। निकाय चुनाव के परिणाम आ गए हैं। नगर निगम में पांच वर्ष के ब्रेक के बाद फिर भाजपा ने कब्जा कर लिया है। खास बात है कि इस बार नगर निगम के सदन में बहुमत से पार्टी के पार्षदों का कब्जा हुआ है। पिछले चुनाव में बेहद कमजोर रही भाजपा के तीन तथ्य खेवनहार बने हैं। पहला सीमा विस्तार, दूसरा मुस्लिम प्यार और तीसरा ध्रुवीकरण है। यही वजह है कि बेशक 43 वार्ड में भाजपा हारी है, मगर पार्षदों संग मेयर के लिए 26510 से अधिक मत मिले हैं। इनमें वे 18 वार्ड भी शामिल हैं, जिनमें भाजपा ने अपने मुस्लिम प्रत्याशी उतारे। नगर निगम के चुनाव परिणाम पर अगर गौर करें तो 90 में से 88 वार्ड में भाजपा ने प्रत्याशी उतारे। जिनमें से 18 मुस्लिम थे। इनमें से 40 पर भाजपा बहुमत के साथ जीती है और 5 पर निर्विरोध निर्वाचित हुई है। शेष 43 में भाजपा बेशक हारी है। मगर वहां वोट मिलने में भाजपा के मेयर पद के लिए कोई कोताही नहीं हुई। अगर परिणाम की गंभीरता और वोटों के ध्रुवीकरण पर गौर करें तो सपा से मेयर प्रत्याशी को 132987 मत मिले हैं, जबकि बसपा मेयर प्रत्याशी को 49764 मिले हैं। इनमें भाजपा पार्षदों को हारे हुए वार्डों में 26510 मत मिले हैं। मेयर और पार्षद दोनों पदों को मत एक साथ दिया जाता है। एमआईएम को मिले मतों को जोड़ दें तो 216973 मत होते हैं। अगर यह मत भाजपा के विरोध में होते तो शायद भाजपा का जीतना कितना मुश्किल होता। ये खुद आंकड़े गवाही दे रहे हैं। मगर ऐसा नहीं हुआ और भाजपा का सीमा विस्तार का एक वर्ष पुराना प्लान, मुस्लिम वार्ड में प्रत्याशी उतारने का प्लान और अंत में मुख्यमंत्री की सभा के बाद ध्रुवीकरण कारगर साबित हुआ। ध्रुवीकरण की वजह है कि बसपा नगर निगम क्षेत्र में अपना आधार नहीं बचा पाई और उसका बेस वोट तक भाजपा के खाते में गया है। इसके अलावा ध्रुवीकरण के दम पर अन्य सभी जातियों का वोट भी भाजपा के खाते में गया है। परिणाम सामने आने के बाद बसपा व सपा खेमे में अपने खिसकते आधार को लेकर चिंतन शुरू हो गया है। बसपा जहां अपने मूल जनाधार वाले वोट को न पा पाने के कारण चिंतन कर रही है। वहीं सपा आजाद समाज पार्टी के समर्थन के बाद भी और लक्ष्मी धनगर को बघेलों के प्रभाव के लिए जिलाध्यक्ष बनाने के बाद भी वोट न पाने पर चिंतन कर रही है। शहर के सीमा विस्तार वाले इलाके पर गौर करें तो नगर पटवारी, भगवानढ़ी, धौर्रा वार्ड को सपा, सिंधौली वार्ड को बसपा जीती है। वहीं कोल विधानसभा के सराय हरनारायण, बढ़ौली फतेह खां, असदपुर कयाम, क्वार्सी वार्ड को भाजपा जीती है। 43 वार्ड को भाजपा हारी है। उनके परिणाम पर अगर गौर करें तो भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिला पदाधिकारी राकेश सहाय यहां बसपा से हारे और मात्र 862 मत पाए। सराय लवरिया में भाजपा नेता विशाल हारे और निर्दल के सामने मात्र 1825 मत पाए। भाजपा महानगर मंत्री संजू बजाज नगला मसानी वार्ड से बसपा से हारे और 2368 मत पाए। रिसाल सिंह नगर वार्ड से निवर्तमान पार्षद सुरेंद्र पचौरी निर्दल से हारे और 1095 मत पाए। मुस्लिम आबादी इलाकों में वोट मिलने की बात करें तो नगला पटवारी में 185, तेलीपाड़ा में 47, जीवनगढ़ में 30, बनियापाड़ा में 901, सुपर कालोनी में 51, बादाम नगर में 267, भुजपुरा में 125, रोरावर में 34, हमदर्द नगर में 88, कबीर कालोनी में 91, मेडिकल कालोनी में 334, नगला जमालपुर में 100, टनटनपाड़ा में 456, धौर्रा में 617, उस्मानपाड़ा में 233, एडीए शाहजमाल में 159, मोलाना आजाद नगर में 188, फिरदौस नगर में 1494, जाकिर नगर में 88, जमालपुर में 460, जोहराबाग में 260, दोदपुर में 349, माबूद नगर में 489, नगला आशिक अली में 118, बदरबाग में 204, भमोला में 623, मकदूम नगर में 247,

सुभाष बाबू कठेरिया बने मिरहची कोतवाल , दो अन्य इधर उधर

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिहं द्वारा स्थानीय निकाय की चुनाव आचार संहिता हटते ही तीन निरीक्षकों की तैनाती में फेरबदल करते हुऐ मिरहची कोतवाली के प्रभारी छत्तरपाल सिहं को स्थानान्तरण करते हुऐ प्रभारी एएचटीयू बनाया है ! तथा पीआरओ एसएसपी के पद पर रहे निरीक्षक सुभाष बाबू कठेरिया को कोतवाली मिरहची का कोतवाल तैनात किया है ! ज्ञातव्य हो कि नवगठित मिरहची नगर पंचायत के निर्वाचन के दौरान काफी बबाल होने तथा भाजपा के ब्लॉक प्रमुख मारहरा रवि वर्मा की कुछ लोगों द्वारा मारपीट किऐ जाने से भाजपा के स्थानीय राजनेता काफी आक्रोशित थे ! चर्चा है कि इसी श्रंखला में निरीक्षक छत्तर पाल सिहं से कोतवाली मिरहची से हटाया गया है ! वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिहं ने एक अन्य निरीक्षक प्रदीप कुमार प्रभारी एएचटीयू को विवेचना इकाई में तैनाती प्रदान की है !

अलीगंज तिराहे पर एक दुकान में चोरों ने किया चोरी का प्रयास

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- चोरों के हुए हौसले बुलंद बीती देर रात अलीगंज तिराहे पर एक दुकान में चोरों ने किया चोरी का प्रयास, योगी के सरकार में हो रहे है चोरों के हौसले बुलंद आये दिन शहर में हो रही है चोरी की घटना जनपद एटा से जहां बीती रात चोरों ने शहर के बीचों-बीच अलीगंज तिराहे जीटी रोड पर दुकान की काटी छत चोरों ने छत काट कर मोबाइल की दुकान में किया था चोरी का प्रयास चोरी करने में रहे चोर नाकाम फ्यूचर मोबाइल वर्ल्ड की नाम से थी दुकान जहां पर किया चोरों ने चोरी का प्रयास आपको बताता है यह पूरा मामला थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के अंतर्गत अलीगंज तिराहे जीटी रोड का है

विद्यालयों में कक्षा 01 से कक्षा 8 तक प्रात: 7:30 बजे से अपरान्ह 12:30 बजे तक

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- जिलाधिकारी महोदय के निर्देश के क्रम में जनपद में संचालित समस्त बेसिक, राजकीय अशासकीय सहायता प्राप्त एवं वित्तविहीन, सीबीएसई, आईसीएसई, मदरसा एवं संस्कृत बोर्ड के विद्यालयों में कक्षा 01 से कक्षा 8 तक प्रात: 7=30 बजे से अपरान्ह 12=30 बजे तक कक्षाएं संचालित होंगी। तो वहीं कक्षा 9, 10, 11, 12 की कक्षाएं अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित होंगे। उक्त आदेश का संपूर्ण जनपद भर में कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित शिक्षण संस्थान के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे रहा हूं

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- शहर में नगर पालिका अध्यक्ष पद एवं सभासद पद को लेकर हुए चुनाव में कांग्रेस पार्टी का अच्छा प्रदर्शन ना होने पर मैं बतौर शहर अध्यक्ष हार की जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे रहा हूं मैं बतौर एक कांग्रेस कार्यकर्ता की तरह कार्य करता रहूंगा विनीत पाराशर बाल्मीकि शहर अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी एटा पूर्व सदस्य इस्पात मंत्रालय भारत सरकार

2खड़े परिवार को समझा कर फिर से एक साथ रहने के लिए राजी किया

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- सराहनीय कार्य परिवार परामर्श केंद्र एटा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री उदय शंकर के निर्देशन में महिला थाना कैंपस नारी उत्थान केंद्र पर आज दिनांक 15.5.2023 आपसी मतभेदों के कारण टूटने की कगार पर दो खड़े परिवार को समझा कर फिर से एक साथ रहने के लिए राजी किया गया। वादी रेशमा नाज पुत्री हाजी अब्दुल वारिस हाल निवासी चौधरी रहीम उल्लाह कपाउंडर बाबूगंज कोतवाली नगर एटा। प्रतिवादी सनी अनवर निवासी किदवई नगर थाना कोतवाली नगर एटा। वादी सपना पुत्री महीपाल निवासी नरौरी थाना बागवाला जिला एटा। प्रतिवादी राम गणेश पुत्र विश्राम सिंह रामनगर मलहोसी थाना साहार जनपद औरैया। आपसी मतभेदों के कारण परिवार परामर्श केंद्र में पत्रावली प्रचलित थी दोनों परिवारों को परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग कर समझाया गया दोनों अपनी पिछली गलतियों को मानते हुए साथ रहने के लिए राजी हुए। आज की बैठक में प्रभारी निरीक्षक ब्रह्मवती काउंसलर नीलम गुप्ता पुलिस स्टाफ हेड कांस्टेबल मिथलेश गौरी पूजा मौजूद रहे।

जबरन कराया गर्भपात, मारपीट कर घर से निकली, छह नामजद

लवकुश ठाकुर-क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ- कस्बा हरदुआगंज में बीते साल युवती से दुष्कर्म के आरोप में नामजद होने के बाद परचून की दुकान संचालक युवक पीडिता युवती मंदिर में विवाह कर आरोप से मुक्त होने के बाद पति के साथ रह रही युवती ने मारपीट व गर्भपात कराने का आरोप लगाते हुए चार महिलाओं सहित छह पर मुकदमा दर्ज कराया है। हरदुआगंज। पीडिता ने बताया कि मोहल्ला बोहरान में परचून की दुकान पर सामान लेने जाने के दौरान दुकान संचालक विक्की पुत्र अरविंद कुमार ने बीते साल धोखे से घर बुलाकर दुष्कर्म किया था, जिसका मुकदमा दर्ज कराया था। जेल जाने की नौबत आने पर स्वजन की रजामंदी से विक्की मंदिर में विवाह कर वह बयानों से मुकर गई थी। विवाह के कुछ दिन बाद ही विक्की उसे पत्नी न मानते हुए मारपीट करने लगा। गर्भवती होने पर दवा खिलाकर जबरन गर्भपात करा दिया। नौ मई को विक्की के भाई की शादी होनी थी, इससे 15 दिन पहले मारपीट कर कमरे में बंद रखा जाने लगा। विरोध किया तो पिटाई घर से निकाल दिया गया। आठ मई को वह पति को तलाशते हुए घर पहुंची तो वहां पति विक्की, उसकी बहन आदि ने धमकी देकर भगा दिया। इसकी शिकायत थाने में करने पर पुलिस ने विक्की, बहन साधना, मंजू,, निक्की, उसकी चाची व चचेरे भाई पप्पू के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। साधना यूपी पुलिस में बताई गई है।

जल निगम की लापरवाही से सीवर टैंक लीकेज , बह रहे गंदे पानी से संक्रामक रोगों का खतरा

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- मुख्यालय नगर पालिका परिषद क्षेत्र के चौराहा बली मुहम्मद से होली मुहल्ला जाने वाले मार्ग (बजरिया) में मुख्य सडक के मध्य सीवर टैंक लीकेज हो जाने से निकल रहे गंदे बदबूदार पानी से इस भीषण गर्मी में संक्रामक रोगों के फैलने की आशंकाएे बलवती हो रही है ! बताया जाता है कि पिछले दो सप्ताह से सीवर टैंक के लीकेज से सडक गंदे पानी से भरकर तालाब का रूप धारण कर लेती है ! आस पास के दुकानदारों एवं मुहल्ले के निवासियों की दुर्गंध के चलते बहुत हालात खराब है ! उक्त क्षेत्र के लोगों ने जिलाधिकारी एवं नवनिर्वाचित पालिकाध्यक्ष से शीघ्र समस्या के समाधान की मांग की है !

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली मारकर हत्या

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- एटा आज दिनांक 15 मई 2023 अपर पुलिस अधीक्षक धनंजय कुशवाह ने बताया कि ग्राम लाखापुर थाना मलावन क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली मारकर हत्या करदी गयी । बताया गया हैं । कि महिला एवं उसके पति के बीच अनबन चल रही थी । सूचना पर थाना मलावन पुलिस मौके पर मौजूद । शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये मेडिकल कॉलेज एटा भेजा गया हैं। पुलिस जांच में जुटी थाना मलावन पुलिस आवश्यक कार्यवाही कर रही हैं।

दिनदहाड़े कत्ल: सिर में किए थे ताबड़तोड़ 6 वार, हत्यारे ने कान भी नोंचा; पोस्टमार्टम में दिखे बर्बरता के निशां

प्रयागराज में दिनदहाड़े महिला की हत्या कर दी गई। 40 घंटे बीतने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कंपनीबाग में महिला की

बेरहमी से हत्या की गई थी। महिला के सिर में ताबड़तोड़ छह वार किए थे। हत्यारे ने कान भी नोंचा था।प्रयागराज की कंपनी बाग में एक दिन पहले बेरहमी से मौत के घाट उतारी गई इरम सिद्दीकी (32) के सिर व चेहरे पर ताबड़तोड़ छह वार किए गए थे। उसके सिर व चेहरे पर नुकीली चीज से वार के निशान मिले हैं। यही नहीं उसके दाहिने कान पर भी चोट के निशान हैं।जिससे यह उसका कान नोचे जाने की भी आशंका जताई जा रही है। उधर दिनदहाड़े शहर के बीचोबीच हुई इस सनसनीखेज वारदात में 40 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली रहे। कातिल तो दूर, पुलिस कत्ल की वजह भी नहीं खोज पाई। मालवीय नगर की रहने वाली इरम पत्नी शहान असद की 13 मई को कंपनी बाग में दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। उसके शव का पोस्टमार्टम रविवार को हुआ। सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान पता चला कि नुकीली चीज से वारकर उसे मौत के घाट उतारा गया था। उसके सिर व चेहरे पर जख्म के छह निशान मिले। एक खास बात यह कि उसके दाहिने कान पर भी चोट के निशान मिले। ऐसा लग रहा था कि उसका कान नोंचने की कोशिश हुई हो। ऐसे में अब यह सवाल भी उठ रहा है कि कहीं लूटपाट करने की नीयत से तो उसकी हत्या नहीं की गई। हालांकि पुलिस इस बात से इन्कार कर रही है। उसका कहना है कि घरवालों ने इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी है। उधर 40 घंटे से ज्यादा का वक्त बीतने के बाद भी पुलिस हत्या की वजह तक नहीं खोज पाई है। न ही उसे कातिल का कोई सुराग मिल पाया है। कर्नलगंज इंस्पेक्टर राममोहन राय का कहना है कि जांच की जा रही है। उधर अंतिम संस्कार के बाद परिजनों ने दरियाबाद कब्रिस्तान में शव को सुपुर्द ए खाक कर दिया।

आखिरी बार सहेली से की थी बात

सूत्रों के मुताबिक, इरम ने हत्या से ठीक पहले अपनी एक सहेली से फोन पर बात की थी। करीब 10 बजे तक उसका फोन चालू था यानी हत्या इसके बाद हुई। सहेली फूलपुर की रहने वाली है और उसके साथ ही एमए की पढ़ाई कर रही है। पुलिस ने उसे पूछताछ के लिए भी बुलाया था।

अकेले ही गई कंपनी बाग के भीतर

सूत्रों का यह भी कहना है कि कंपनी बाग के आसपास लगे कैमरों का फुटेज देखने से पता चला है कि इरम अकेले ही भीतर गई थी। दरअसल मुख्य द्वार के पास ही एक सर्विलांस कैमरा लगा है। यह पीटीजेड कैमरा है जो नियमित अंतराल पर घूमता है।

आला अफसर भी पहुंचे, किया मौका मुआयना

उधर घटना की गंभीरता को देखते हुए दूसरे दिन आला अफसर भी मौके पर पहुंचे। पुलिस आयुक्त रमित शर्मा व अन्य अफसरों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मातहतों को दिशा-निर्देश दिए। उधर पुलिस ने जांच पड़ताल के क्रम में उस मजार की देखरेख करने वाले व्यक्ति को भी हिरासत में ले लिया है, जिससे कुछ दूरी पर यह वारदात हुई।

सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील स्थान, फिर कहां हुई चूक?

कंपनी बाग में महिला की बेरहमी से हत्या की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यहां की सुरक्षा को लेकर है। कंपनी बाग में रोजाना बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चे पहुंचते हैं। कई बड़े अफसर व हाईप्रोफाइल लोगों का भी यहां सुबह शाम जमावड़ा होता है। ऐसे में इतने संवेदनशील स्थान पर हत्या जैसी वारदात पुलिस के सुरक्षा संबंधी दावों पर सवाल खड़े करती है। महिला की जिस तरह से हत्या की गई, उससे कई आशंकाएं जाहिर हो रही हैं। सबसे बड़ी आशंका यह है कि लूटपाट की नीयत से उसकी हत्या की गई। दरअसल सिर, चेहरे में चोट के साथ ही उसका कान में भी नोंचे जाने जैसे निशान हैं। जानकारों का कहना है कि ऐसे में बहुत संभावना है कि लूटपाट के विरोध पर उसकी हत्या कर दी गई हो। सूत्रों का यह भी कहना है कि कंपनी बाग में जिस जगह यह वारदात हुई, वहां कई बार नशेड़ी किस्म के युवक देखे जा चुके हैं। ऐसे में हो सकता है कि हत्या लूटपाट के लिए ही की गई हो। इसके अलावा छेड़छाड़ का विरोध भी इसकी एक वजह हो सकती है। संभव है कि सुनसान जगह पर महिला को अकेला देख छेड़छाड़ की गई हो और विरोध पर उसकी हत्या कर दी गई हो। ऐसे में अगर लूटपाट या छेड़छाड़ के विरोध पर हत्या की गई, तो यह सीधे तौर पर सुरक्षा के दावों पर सवाल है। यह हाल तब हैं जब कंपनी बाग में ही पुलिस चौकी भी है।

बेटे को स्कूल छोड़कर आई थी

मृतका का चार साल का बेटा कंपनी बाग के ठीक सामने स्थित सेंट जोसेफ कॉलेज में यूकेजी में पढ़ता है। शनिवार को वह उसे स्कूल छोड़कर कंपनी बाग में पहुंची थी। दरअसल उसे कुछ देर बाद ही बेटे की छुट्टी होने वाली थी, ऐसे में वह वहीं रुक गई थी। जानकारों का कहना है कि बड़ी संख्या में महिला अभिभावक बच्चों को छोड़ने या लेने के लिए इस स्कूल में आती हैं। कई बार छुट्टी में थोड़ा समय होने पर अक्सर महिलाएं कंपनी बाग में जाकर बैठ जाती हैं। ऐसे में इस तरह की वारदात से उनकी भी सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

दरिंदगी के सात साल: FB पर दोस्ती फिर लव, निकाह के वादे पर कई शहरों के होटल में दुष्कर्म, 84 माह बाद टूटा भ्रम

पांच दिन पहले दिल्ली की एक युवती अमरोहा नगर कोतवाली पहुंची थी। उसने एक युवक पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की थी। दिल्ली की युवती से फेसबुक पर दोस्ती करके प्यार के जाल में फंसाकर दुष्कर्म के आरोपी युवक को अमरोहा कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि युवक अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के नाम पर सात साल तक दुष्कर्म करता रहा।

पांच दिन पहले दिल्ली की एक युवती अमरोहा नगर कोतवाली पहुंची थी। उसने एक युवक पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की थी। नौगांवा सादात के गांव खेड़ा अपरौला हाल निवासी मोहल्ला हाशमी नगर निवासी बिलाल की सात साल पहले फेसबुक पर दिल्ली की युवती से दोस्ती हुई थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध शुरू हुए तो युवक ने उसे शादी का झांसा दिया तथा उसे मिलने के लिए अमरोहा बुला लिया। आरोप है कि अलग-अलग शहरों में दोनों मिलते रहे तथा युवक उसे होटल में ले जाकर दुष्कर्म करता रहा।

आरोप है कि युवक ने उसकी अश्लील वीडियो भी बना ली। शादी का दबाव बनाने पर मारपीट की गई। युवक वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ सात साल तक लगातार दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता ने नगर कोतवाली में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रविवार को नगर कोतवाली पुलिस ने आरोपी बिलाल को गिरफ्तार कर लिया है। उधर पीड़िता आरोपी प्रेमी के घर जाकर बैठ गई है और वह निकाह की जिद पर अड़ी है। प्रभारी निरीक्षक हरीश वर्धन सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

ट्रक ने तीन बाइक सवारों को रौंदा, दो युवक व एक युवती की मौत, गुस्साए ग्रामीणों ने लगाया जाम

यूपी के हमीरपुर जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ। बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार तीन लोगों को रौंद दिया। हादसे में दो युवक व एक युवती की मौत हो गई। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने जाम लगाया।कानपुर-सागर हाईवे एनएच-34 पर नरायच गांव के पास ट्रक ने बाइक सवार दो युवक व एक युवती को रौंद दिया। जिससे दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं युवती को गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया। जहां उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने हाईवे जाम कर दिया और स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग को लेकर नारेबाजी की। मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी के स्पीड ब्रेकर बनवाने के आश्वासन के बाद जाम खोला गया।सोमवार को मौदहा कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कानपुर-सागर हाईवे पर नेशनल हाईवे 34 पर नरायच गांव के पास कानपुर की ओर से आ रहे ट्रक ने बाइक सवार तीन लोगों को रौंद दिया। हादसे में महोबा जनपद के खरेला थाना क्षेत्र के ग्राम सलुआ निवासी विनोद कुमार अहिरवार (25) पुत्र राम प्रताप अहिरवार, विनोद (21) पुत्र रामकृपाल की मौत हो गई। वहीं युवती शिवपति अहिरवार (21) पुत्री बल्देव अहिरवार को गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

खेत में मिला खून से लथपथ युवक का शव, इलाके में सनसनी, मौके से पुलिस ने बरामद की ये चीजें

वाराणसी के डुबकियां गांव के खेत में सोमवार सुबह एक युवक का शव मिला। सिर में चोट के निशान हैं। हत्या कर शव को फेंके जाने की आशंका है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।वाराणसी के डुबकियां गांव स्थित सरकारी नलकूप के समीप खेत में सोमवार की सुबह एक युवक का खून से लथपथ शव मिला। युवक के सिर पर कई जगह चोट के निशान थे। शव के समीप ही शराब की शीशी और चप्पल पड़ी हुई थी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची चौबेपुर थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

घंटों बाद शव की पहचान हुई और परिजन चौबेपुर थाने पहुंचे। युवक की हत्या की आशंका जताई गई है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।सारनाथ क्षेत्र के अकथा का रहने वाला अजय राम उर्फ चिंटू (32) मजदूरी करता था। परिजनों के अनुसार दो मासूम बच्चों का पिता अजय रविवार की शाम घर से अपने दोस्तों के साथ निकला था। इसके बाद वह लौट कर वापस नहीं आया। सोमवार सुबह डुबकियां में सरकारी नलकूप के पास खेत में टी-शर्ट और जींस पहने हुए एक युवक का शव गांव के आदित्य सिंह उर्फ गोलू ने देखा। आदित्य की सूचना पर देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और चौबेपुर थाने की पुलिस आई। पुलिस के काफी प्रयास के बाद भी शव की पहचान नहीं हो सकी।परिजन बोले- किसी से नहीं रंजिश और ना कोई विवाद- दोपहर बाद अजय के परिजन चौबेपुर थाने पहुंचे और उन्होंने शव की पहचान की। अजय की पत्नी कंचन की हालत बेसुधों जैसी थी और परिजन बड़ी ही मुश्किल से उसे संभाले हुए थे। परिजन अजय की किसी से रंजिश या विवाद के बारे में पुलिस को कोई ठोस जानकारी नहीं दे सके।उधर, इस संबंध में चौबेपुर थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। युवक के दोस्तों का पता लगाकर उसके बारे में उनसे पूछताछ की जा रही है। घटना से संबंधित वास्तविक तथ्यों को जल्द ही साझा किया जाएगा।

फाइनेंस कंपनी के अधिकारी से असलहा दिखाकर 40 हजार की लूट, पीड़ित को थप्पड़ मारकर भागे बदमाश

जौनपुर जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह करीब 10 बजे बाइक सवार दो बदमाशों ने एक फाइनेंस कंपनी के सीओ (क्षेत्रीय अधिकारी) को असलहा सटाकर 40 हजार रुपये लूट लिए। दिनदहाड़े हुई इस घटना से लोगों में दहशत है। जौनपुर जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह करीब 10 बजे बाइक सवार दो बदमाशों ने एक फाइनेंस कंपनी के सीओ (क्षेत्रीय अधिकारी) को असलहा सटाकर 40 हजार रुपये लूट लिए। भागने से पहले बदमाशों ने पीड़ित को थप्पड़ भी जड़े। दिनदहाड़े हुई इस घटना से लोगों में दहशत है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आस-पास के लोगों से भी घटना की जानकारी ली।आजमगढ़ जनपद के मऊ परासी गांव निवासी आकाश यादव उत्कर्ष फाइनेंस बैंक जलालपुर में क्षेत्रीय अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। सोमवार सुबह वे सैदपुर गांव में समूह के लोगों के साथ बैठक के लिए आए थे। बैठक में समूह के बकाया 40 हजार रुपये की वसूली करने के बाद बीबीपुर गांव जा रहे थे। वहां पर भी समूह से पैसा लेना था। सैदपुर गांव से वो केराकत-कबुलपुर मार्ग पर आए। नेहरूनगर नाले की पुलिया के पास पीछे से एक काले रंग की नई बाइक से नकाबपोश दो बदमाश पहुंचे। बदमाशों ने आकाश की बाइक को ओवरटेक कर रोक लिया।

बदमाशों ने मोबाइल रास्ते में फेंका

एक बदमाश ने आकाश यादव की कनपटी पर पिस्टल सटा दिया। दो थप्पड़ मारा और उसके पास से बैग निकाल लिया। पीड़ित के अनुसार, बदमाश मोबाइल भी छीनकर बाइक से भाग निकले। बदमाश गयासपुर गांव की तरफ भागे। गयासपुर के पास आकाश का मोबाइल सड़क पर गिरा मिला। घटना के बाद वहां राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। सूचना के बाद थानाप्रभारी रमेश यादव मौके पर पहुंच गए। थाना प्रभारी रमेश यादव ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। बदमाशों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

www.knlslive.com

गैंगस्टर कल्लू डॉन की पत्नी इमराना बनीं अध्यक्ष; लोग बोले- ये स्मैकगंज है साहब, यहां सब बिकता है

गैंगस्टर शाहिद उर्फ कल्लू डॉन की पत्नी इमराना नगर पंचायत फतेहगंज पश्चिमी से अध्यक्ष चुनी गई हैं। इमराना ने निर्दलीय प्रत्याशी को हराया, वहीं भाजपा प्रत्याशी तीसरे स्थान पर रहीं। बरेली के नगर पंचायत फतेहगंज पश्चिमी में चर्चित स्मैक तस्कर व गैंगस्टर शाहिद उर्फ कल्लू डॉन की पत्नी इमराना के अध्यक्ष चुने जाने के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह के मीम्स वायरल हो रहे हैं। लोग पोस्ट डालकर हैरानी जता रहे हैं। एक क्षेत्रवासी ने लिखा कि मोटा पैसा हो, तब ही चुनाव लड़ें, वरना घर बैठें। यह स्मैकगंज है साहब, यहां सब बिकता है।स्मैक की लत ने कबाड़ी कल्लू को पश्चिमी उत्तर प्रदेश का चर्चित तस्कर बना दिया। हिस्ट्रीशीटर से गैंगस्टर तक का सफर तय कर वह डॉन बन बैठा। उसकी पत्नी इमराना भी स्मैक तस्करी के आरोप में जेल जा चुकी है। यह दीगर बात है कि इस बार जनता ने उसे माननीय बना दिया।

पुलिस जब्त कर चुकी नौ करोड़ की संपत्तियां

पिछली साल प्रदेश सरकार ने बड़े तस्करों के खिलाफ अभियान चलाया तो कल्लू और इमराना को जेल भेजा गया। उनकी नौ करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्तियां सीज की गईं। कोरोना काल में गरीबों को कंबल व अन्य जरूरी सामान बांटकर कल्लू ने अच्छी छवि बनाई। चुनाव में उसे इसका लाभ मिला। पिछली बार मामूली अंतर से हारी इमराना इस बार भाजपा व अन्य दलों के प्रत्याशियों को हराकर अध्यक्ष बन गई।

बागियों को मनाने में नाकाम रही भाजपा

भाजपा प्रत्याशी प्रीति अग्रवाल ने अपनी हार को लेकर संगठन के शीर्ष नेतृत्व को शिकायत भेजी है। जिक्र किया है कि भाजपा के ही जनप्रतिनिधि व कुछ पदाधिकारियों ने उनको हरा दिया। वह प्रदेश स्तर पर पैरवी कर टिकट ले आईं तो संगठन के कई लोग उनके विरोध में उतर आए। भाजपा सांसद, विधायक व जिलाध्यक्ष भी बागियों को मनाने में नाकाम रहे। भाजपा के मुख्य वोट बैंक वाले मोहल्लों में पीठासीन अधिकारियों ने मनमानी की। सत्ताधारी पार्टी की प्रत्याशी होने के बावजूद वह असहाय दिखीं।

रिठौरा में निर्दलीय चेयरमैन और आठ निर्दलीय सभासद चुने,जनता ने पार्टियों को नकारा

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली-रिठौरा।नगर पंचायत चुनाव में नगर की जनता ने सभी दलों को एक सिरे से नकार दिया।उसी बड़ी वजह पार्टियों ने पुराने कद्दावर प्रत्याशियों को नकार कर नये चेहरों को मैदान में उतारा जिससे जनता में आक्रोश फैल गया।और नतीजा निर्दलीय प्रत्याशियों के पक्ष में चला गया। चेयरमैन शकुन्तला देवी निर्दलीय,वार्ड -1मोहनपुर से सभासद राधा रानी निर्दलीय,वार्ड-2नई बस्ती नीरज कुमारी निर्दलीय वार्ड -3जाटवपुरा अब्दुल वहीद निर्दलीय वार्ड-4 इन्द्रपुरी बाबू निर्दलीय वार्ड-6खेड़ा नासिर जहां निर्दलीय वार्ड -8राजीव नगर प्रताप सिंह निर्दलीय वार्ड -9कुर्मियान मनोज कुमार निर्दलीय वार्ड -11खाता कृष्णपाल यादव निर्दलीय वहीं भारतीय जनता पार्टी से सभासद चुने गए धर्मपुर से वीरपाल, ठाकुरद्वारा से कमलेश गंगवार, काहरान से पायल कश्यप जिन्होंने लगातार तीसरी बार जीत सुनिश्चित कर हैट्रिक लगाई है। वहीं निर्दलीय नासिर जहां निर्दलीय ने भी हैट्रिक लगाई है। सबसे आश्चर्यजनक परिणाम मोहल्ला जवाहर नगर से चौधरी अजीत सिंह की पार्टी राष्ट्रीय लोक दल से स्नोवाइट ने चुनाव में जीत दर्ज की है।सभी विजयी जनप्रतिनिधियों का नगर में जगह-जगह जोरदार स्वागत-सम्मान किया जा रहा है।

होनहार विरवाओं ने बढ़ाया परिजनों और गुरूजनों का मान

अवन्तिका सक्सेना का मुंह मीठा करते पिता कृष्ण अवतार सक्सेना

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली-बरेली। आईसीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम में हार्टमैन कालेज की कक्षा 10 की छात्रा आशिता मेहरोत्रा ने 95प्रतिशत अंक लाकर एडवोकेट माता कंचन मेहरोत्रा पिता आशु मेहरोत्रा एवं अपने गुरूजनों का मान बढ़ाया है।आशिता आईएएस अफसर बनकर देश की सेवा करना चाहतीं हैं। वहीं एस आर इण्टर नेशनल स्कूल की छात्रा अवन्तिका सक्सेना ने सीबीएसई बोर्ड से हाईस्कूल परीक्षा में 93.3प्रतिशत अंक लाकर अपने शिक्षक पिता कृष्ण अवतार सक्सेना एवं शिक्षिका माता शालिनी सक्सेना तथा अपने गुरूजनों का मान बढ़ाया है।वह भी आगे पढ़ाई करके आईएएस अधिकारी बनकर देश सेवा करना चाहतीं हैं।तथा समाज में बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए सभी अभिभावकों से बेटियों को अधिक से अधिक पढ़ाने की अपील करती हैं।

मेयर और पार्षदों का जगह-जगह किया स्वागत- सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली-बरेली से मेयर पद और वार्ड से पार्षद पद पर अपने प्रत्याशियों के विजय श्री प्राप्त करने पर राम लीला गौंटिया, लक्ष्मीपुर गौटिया निकट हार्टमैन कॉलेज में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता सौरभ जैन ने कहा कि भाजपा की निगम में जीत यह प्रदर्शित करती है की देश व राज्य में जीत के उपरांत शहर में भी भाजपा ने व्यक्ति व्यक्ति का दिल जीत लिया है। संचालन समिति के सदस्य रंजीत फौजी ने कहा कि जनता के दिलों में खिले फूल ईवीएम में भी अंकित हुए हैं। लक्ष्मीपुर गौटिया के कार्यक्रम आयोजक ओंकार सिंह राशन वालों ने कहा कि पिछले कार्यकाल के विकास को देखते हुए, जनता ने बिना प्रलोभन में आए फिर से विकास को ही चुना है। अंत में गांधीपुरम के पार्षद राम पाल गंगवार ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए, सभी की आकांक्षाओं पर खरा उतरने की बात कही। कार्यक्रम उपरांत मिष्ठान वितरण, आतिश बाजी भी की गई और डीजे के धुन पर लोग खूब झूमे।

कार्यक्रम में सौरभ जैन, रंजीत फौजी, ओंकार सिंह राशन वालों, पार्षद राम पाल गंगवार के अलावा राजेंद्र मौर्य, गोविंद, विकास, संतोष, छोटा, वीरू, महेंद्र मौर्य, पुरन,अचेंद्र, पवन, धर्मेंद्र, राम जी, झम्मन, हजारी प्रसाद, भीम, राजीव, जमुना प्रसाद, अनिल मौर्य, एस.के. जैन आदि की उपस्थिति रही, संचालन सौरभ जैन ने किया।

प्यार में नसरीन बनी नेहा: हिंदू रीति-रिवाज से प्रेमी के साथ किया विवाह, घरवालों से जताया जान का खतरा

बरेली में धर्म परिवर्तन कर प्रेम विवाह करने वाली युवती ने अपने परिवार से जान का खतरा जताया है। सोमवार को युवती अपने पति के साथ एसएसपी दफ्तर पहुंची और सुरक्षा की गुहार लगाई।उत्तर प्रदेश के बरेली में मोहब्बत के लिए एक युवती ने अपना महजब बदल लिया। हिंदू धर्म अपनाकर उसने प्रेमी से प्रेम विवाह कर लिया, लेकिन अब दोनों को जान का खतरा सता रहा है। युवती ने अपने परिवार वालों से जान का खतरा जताया है। भमोरा थाना क्षेत्र के गांव निवासी युवक राहुल के प्यार में युवती नसरीन धर्म बदलकर नेहा बन गई। नसरीन से नेहा बनी युवती ने राहुल के साथ प्रेम विवाह कर लिया। सोमवार को एसएसपी दफ्तर पहुंची नसरीन ने पति राहुल और खुद की सुरक्षा की गुहार लगाई। सिहौलिया दिगोई निवासी नसरीन ने बताया कि उसने मुस्लिम धर्म में जन्म लिया, लेकिन उसकी हिंदू धर्म में आस्था रही है। वह हिंदू देवी देवताओं के प्रति श्रद्धा रखती है और उनकी शरण में जाना चाहती है। इसलिए उसने धर्म बदलने का निर्णय लिया।

हिंदू रीति रिवाज के अनुसार किया विवाह

नसरीन ने धर्म परिवर्तन कर अपना नाम नेहा रख लिया। इसके बाद प्रेमी राहुल से हिंदू रीति रिवाज के अनुसार विवाह कर लिया है। नसरीन ने कहा कि शादी के बाद वह राहुल के साथ हंसी-खुशी रहना चाहती है। वहीं राहुल भी उससे शादी करके खुश है। नसरीन ने आशंका जताई की उसके परिजन राहुल के खिलाफ फर्जी मुकदमा लिखवा सकते हैं। नसरीन के मुताबिक उसके परिजनों के संबंध कुख्यात अपराधियों से हैं, जिस कारण उसकी और राहुल की जान को खतरा है। नवदंपती ने एसएसपी से सुरक्षा देने की मांग की।

जश्न के बाद टूट गईं सांसें: एक झटके में तीन जिंदगियां खत्म, पूरे गांव में मचा कोहराम, सदमे में तीनों परिवार

शादी की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब बरात में शामिल होने के बाद वापस घर लौट रहे तीन चचेरे भाइयों की सड़क हादसे में मौत हो गई। तीनों की मौत से परिवार समेत पूरे गांव में कोहराम मचा है। उधर, शादी वाले घर में भी मातम छाया हुआ है। अज्ञात वाहन ने तीनों को कुचला बिजनौर-मुरादाबाद राज्य मार्ग पर पैजनियां के पास एक ही बाइक पर सवार तीन युवकों को किसी वाहन ने कुचल दिया। इस हादसे में तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ जब तीनों युवक दोस्त की बरात में शामिल होने के बाद अपने गांव लौट रहे थे। जिनकी मौत से परिवार समेत पूरे गांव में कोहराम मचा हुआ है।

उधर, शादी की खुशियां भी मातम में बदल गईं।बताया गया कि रविवार को थाना हीमपुर दीपा क्षेत्र के गांव उमरी पीर निवासी इब्राहिम के बेटे तालिब की बरात थाना धामपुर के गांव अथाई शेख निवासी आमिर के यहां गई थी।

तालिब की बरात में गांव के ही उसके दोस्त सलमान (25) पुत्र शमीम, फरदीन (23) पुत्र रहीसूदीन और आजमाइन (27) पुत्र अनीस भी गए। वहीं, बरात वापस लौटी तो तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर घर के लिए चल दिए। बाइक सवार तीनों युवक बिजनौर मुरादाबाद स्टेट हाईवे पर पैजनियां के निकट पहुंचे तो किसी वाहन ने उन्हें कुचल दिया।तीनों युवकों की मौके पर मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी

कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और तीनों युवकों के कुचले शव सड़क के बीचोंबीच पड़े हुए थे। शवों को देखकर ऐसा लगा कि किसी दूसरे वाहनों ने भी इन्हें कुचल दिया होगा। बताया गया कि मृतक सलमान और आजमाइन आपस में चचेरे भाई हैं,

जबकि फरदीन भी इन्हीं के परिवार का था। पुलिस ने तीनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाइक सवार तीनों युवकों में से किसी ने भी हेलमेट नहीं लगा रखा था। सोमवार की शाम तीनों के शव गमगीन माहौल में सुपुर्द-ए-खाक कर दिए गए।

विदेश से भारत में आ रही बाल अश्लील सामग्री, सोशल मीडिया पर 300 फीसदी तक बढ़े मामले

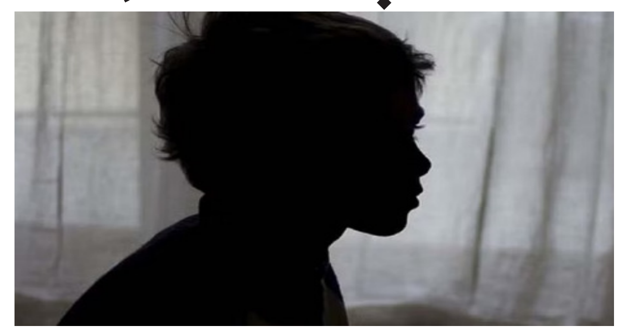

सोशल मीडिया पर बाल यौन उत्पीड़न सामग्री के प्रसार के मामले 250 से 300 फीसदी बढ़े हैं। इसमें देखने में ये आया है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही बाल यौन उत्पीड़न सामग्री विदेशी है।सोशल मीडिया के बढ़ते दायरे के साथ ही विदेशी धरती से भारत में बाल यौन उत्पीड़न (चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज) सामग्री बड़े पैमाने पर परोसी जा रही है। सोशल मीडिया पर बाल यौन उत्पीडऩ सामग्री के प्रसार के मामले 250 से 300 फीसदी बढ़े हैं। इसमें देखने में ये आया है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही बाल यौन उत्पीडऩ सामग्री विदेशी है। भारतीय जांच एजेंसियों की अभी तक जांच में भारत में बनी बाल यौन उत्पीडऩ अपराध सामग्री का अब तक एक भी मामला सामने नहीं आया है। दिल्ली में इस वर्ष 2023 में अभी तक बाल यौन उत्पीडऩ सामग्री प्रसारित होने के 450207 मामले रिपोर्ट हुए हैं। ऐसे में दिल्ली पुलिस जहां कई तरीके अपना कर बच्चों को जागरूक रख रही है वहीं सोशल मीडिया पर पैनी नजर रख रही है।दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमेरिका की एक एनजीओ नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लोइड चिल्ड्रन (एनसी-एमईसी) है। ये भारत में आए चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज के मामलों को एनसीईआरबी को भेजती है। एनसीईआरबी इसे राज्य के हिसाब से मामलों को भेजती है। यानि जिस राज्य के मामले हैं, उन्हें उस राज्य को भेजती है। इसी तरह एनसीईआरबी दिल्ली के केसों को दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट को भेजती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत में सभी मामले सोशल मीडिया पर बाल यौन उत्पीडऩ के फोटो व वीडियो के प्रसार के हैं। देश व समाज के लिए अच्छी बात ये है कि भारत में बाल यौन उत्पीडऩ अपराध सामग्री मामले में कोई संलिप्त नहीं पाया गया है और न ही यहां पर बाल यौन उत्पीड़न प्रसारण जैसा अपराध हुआ है। कुछ वर्ष पहले भारत में बाल यौन उत्पीड़न अपराध का मामला सामने आया है। उसमें एक विदेशी भारत आकर बाल यौन उत्पीड़न की फोटो व वीडियो बनाता था। इस मामले में सीबीआई ने मामला दर्जकर आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई की थी।

आईटी एक्ट में दर्ज होता है मुकदमा

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि भारत में बाल यौन उत्पीड़न सामग्री को किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सुनना, रखना और प्रसारित अपराध है। इन तीनों श्रेणी में पोक्सो व आईटी एक्ट के तहत मामले दर्ज होते हैं। दिल्ली पुलिस केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी व राज्यों की पुलिस के साथ बड़े पैमाने पर अभियान चलाती रहती है। हाल में ही देश भर में ऑपरेशन मासूम चलाया गया था। इस ऑपरेशन के दौरान 100 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गई थीं।

अभी तक रिपोर्ट हुए प्रसार के 450207 मामले

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सोशल मीडिया पर बाल यौन उत्पीड़न सामग्री के वर्ष 2023 में अभी तक 450207 रिपोर्ट हो चुके हैं। इनमें से 3039 मामलों में दिल्ली पुलिस कार्रवाई कर चुकी है। इनमें से 447168 मामलों का अभी अध्ययन किया जा रहा है। इसमें से कुछ सामग्री ऐसी है कि भारत में पिता, भाई व बहन द्वारा छोटी बच्चों की प्यार से खींची गई फोटो को भी अमेरिकी एनजीओ ने बाल यौन उत्पीड़न की श्रेणी में डाल दिया। सोशल मीडिया पर बाल यौन उत्पीड़न सामग्री के वर्ष 2022 में 204056, वर्ष 2021 में 163633 और वर्ष 2020 में 17390 मामले रिपोर्ट हुए थे।

पुलिस सामग्री को प्रसारित होने से ऐसे रोकती है

स्पेशल सेल में बाल यौन उत्पीड़न सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए एएस सिस्टम लगा रखा है। इससे पुलिस को अलर्ट मिलता रहता है। इससे अलावा आठ सदस्यीय टीम हैं जो सोशल मीडिया पर 24 घंटे नजर रखती है। अब सोशल मीडिया पर इस तरह की सामग्री प्रसारित होती है दिल्ली पुलिस सबसे पहले भारत में उसे प्रतिबंधित करा देती है। इसके बाद पुलिस एफआईआर दर्जकर कानूनी कार्रवाई करती है।

सुनना, रखना व प्रसारित करना अपराध

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि भारत में बाल यौन उत्पीड़न सामग्री को किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सुनना, रखना और प्रसारित अपराध है।

इन तीनों श्रेणी में पॉक्सो व आईटी एक्ट के तहत मामले दर्ज होते हैं। दिल्ली पुलिस केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी व राज्यों की पुलिस के साथ बड़े पैमाने पर अभियान चलाती रहती है। हाल में ही देश भर में ऑपरेशन मासूम चलाया गया था। इस ऑपरेशन के दौरान 100 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गई थीं।

KTUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश ,उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
बिना किसी सिक्यूरिटी के
KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिज़ाइन कराये कम दम में

'We hope that the fans...', Chennai Super Kings CEO Kashi's big statement on Dhoni's retirement, know

This season Chennai team is playing brilliantly under Dhoni's captaincy. The team has so far won seven out of 13 matches and has 15 points. The team has also lost five matches. Dhoni's team is second in the points table. Chennai Super Kings captain Mahendra Singh Dhoni took part in the lap of honor at Chepauk on Sunday. Since then speculations were rife that Dhoni is retiring from IPL after this season. However, CSK CEO Kasi Viswanathan has

denied these speculations. According to media reports, Kashi has said – We believe that MS Dhoni is going to play the next season as well. So I hope the fans will continue to support us like every time. In fact, Chennai team is playing brilliantly under Dhoni's captaincy. The team has so far won seven out of 13 matches and has 15 points. The team has also lost five matches. Dhoni's team is second in the points table. CSK now have one more match to play, which will be against Delhi Capitals at Feroz Shah Kotla. In such a situation, CSK will have to win that match to qualify for the playoffs. If this does not happen, then the team will have to depend on the results of other teams. Last year, Dhoni left the captaincy of CSK before the start of the season. Then Ravindra Jadeja was made the captain. However, the team lost many of the opening matches. After this mid-season Jadeja was removed from the captaincy and Dhoni became the captain again. After this, his team performed brilliantly this season. Under the captaincy of Dhoni, the players of Chennai are playing with full enthusiasm and enthusiasm. In such a situation, the CSK management does not want him to retire now. What happened in the CSK vs KKR match? However, Chennai faced defeat in their last home league round match on Sunday. Kolkata Knight Riders defeated CSK by six wickets. Rinku Singh and Nitish Rana struck half-centuries as KKR beat CSK by 6 wickets at the MA Chidambaram Stadium on Sunday. Batting first, Chennai scored 144 runs losing six wickets. Shivam Dubey scored the highest 48 runs in 34 balls with the help of one four and three sixes. At the same time, Devon Conway played an inning of 30 runs. In response, the Kolkata team scored 147 runs losing four wickets in 18.3 overs and won the match. Rinku Singh played an inning of 54 runs in 43 balls. At the same time, captain Nitish Rana remained unbeaten after scoring 57 runs in 44 balls. With this victory, Kolkata has 12 points in 13 matches and this team remains in the playoff race. At the same time, despite the defeat, the Chennai team remains at the second position in the points table. To reach the playoffs, Chennai will have to win their last match or need the support of luck.

KKR captain Nitish Rana got angry after being punished for slow over rate, argued with the umpire

The team got punished in the last over due to slow over rate. Under the new rules, the team was allowed to keep a maximum of four fielders outside the circle instead of five. Kolkata Knight Riders captain Nitish Rana once clashed with the umpires in the IPL 2023 match against Chennai Super Kings on Sunday. The incident happened before the last over of CSK's innings. At that time Shivam Dubey and Ravindra Jadeja were present at the crease. At the same time, Vaibhav Arora came for bowling.However, the team was punished in the last over due to the slow over rate. Under the new rules, the team was allowed to keep a maximum of four fielders outside the circle instead of five. After this, KKR captain Nitish

Rana got angry at the umpires and had a heated argument with them. Its video has also surfaced.Only nine runs came off the last over bowled by Vaibhav Arora. He also took the wicket of Ravindra Jadeja. Vaibhav also bowled a no ball in this over. MS Dhoni was clean bowled on the free-hit. In such a situation, despite keeping four fielders, the KKR team did not suffer much. Fines on Nitish and other players of Kolkata – Kolkata captain Nitish Rana has been fined Rs 24 lakh for slow over rate and playing including Impact Substitute Each member of the XI has been fined Rs 6 lakh or 25 per cent of their match fee. What happened in the CSK vs KKR match? - Talking about the match, thanks to the half-centuries of Rinku Singh and Nitish Rana, KKR defeated CSK by 6 wickets at the MA Chidambaram Stadium on Sunday. Batting first, Chennai scored 144 runs losing six wickets. Shivam Dubey scored the highest 48 runs in 34 balls with the help of one four and three sixes. At the same time, Devon Conway played an inning of 30 runs. In response, the Kolkata team scored 147 runs losing four wickets in 18.3 overs and won the match. Rinku Singh played an inning of 54 runs in 43 balls. At the same time, captain Nitish Rana remained unbeaten after scoring 57 runs in 44 balls. With this victory, Kolkata has 12 points in 13 matches and this team remains in the playoff race. At the same time, despite the defeat, the Chennai team remains at the second position in the points table. To reach the playoffs, Chennai will have to win their last match or need the support of luck.

Rashid Khan will show amazing against Sri Lanka after IPL, 15-member Afghanistan team announced

A three-match ODI series is to be played between Sri Lanka and Afghanistan (SL vs AFG) from June 2, for which the Afghanistan Cricket Board has announced the team. Let us tell you that this series is important for both the teams regarding the preparations for the ICC Men's World Cup 2023. In this episode, Afghanistan Cricket Team has kept 4 players as reserve apart from the 15-member team. Young star all-rounder Abdul Rahman has got a chance in the team for the ODI series against Sri Lanka after his impressive performance in domestic

cricket. AFG vs SL ODI Series: series against SL – Actually, team for ODI series against Sri players in the reserve category Shahdullah Kamal, Yamin Gulbadin Naib. Explain that the has been handed over to Shah has been made the vice- 2, which will be played till June 7. has already qualified for the ODI to play qualifiers. Hashmatullah's the top 10 of the ODI bowlers Mujeeb ur Rahman (8th) and Recently, Afghanistan Cricket that it is a good feeling to give series. Our team is already in good to prepare as much as possible so team.Afghanistan Squad-

Afghanistan squad announced for ODI Afghanistan team announced their Lanka (AFG vs SL) and included 4 Which includes the names of Ahmadzai, Zia ur Rehman Akbar and command of the Afghanistan ODI team Hashmatullah Shahidi, while Rahmat captain. This series will start from June Let us tell you that the Afghanistan team World Cup 2023, while Sri Lanka has team currently has bowlers ranked in rankings, with Rashid Khan (6th), Mohammad Nabi (10th) being present. Board President Mirwaiz Ashraf says chance to some young players in this form for the World Cup, but we want that we can get a good Hashmatullah Shahidi (Captain),

Rahmat Shah (Vice-Captain), Rahmanullah Gurbaz (wk), Ibrahim Zadran, Riaz Hasan, Najibullah Zadran, Mohammad Nabi, Ikram Alikhail (wk), Azmatullah Umarzai, Rashid Khan, Mujeeb Ur Rahman, Noor Ahmed, Abdul Rahman, Fazal Haq Farooqui, Fareed Ahmed Malik.Afghanistan and Sri Lanka Three ODIs - 2 June 2023, 1st ODI, Hambantota, 4 June 2023, 2nd ODI, Hambantota, 7 June 2023, 3rd ODI, Hambantota

Kapil Sharma stole hearts by walking the ramp with daughter, Bharti Singh also appeared with son, video surfaced

The kids of comedy stars Kapil Sharma and Bharti Singh are very cute. You have often seen both of them at the airport or birthday parties, but this time they all appeared in one event. All four of them walked the ramp and set hearts ablaze. Comedians Kapil Sharma and Bharti Singh are often in the news. Sometimes because of myself and sometimes because of my children. This happened once again, when both were seen together. That too with cute

kids. Last night on May 14, both had reached an event with their daughter and son. Clips of him walking the ramp with his children are going viral on social media, on which people showered their love fiercely. It can be seen in the video that Kapil Sharma is walking the ramp with his cute little girl Anayra Sharma. . She is in a black gown and showing her fashion moves with her father. This cute video of Anayara will bring a smile on anyone's face. Kapil said during this time that he is very happy to be a part of this event. He had come to this event last year too but during that time Anayara was very young. Kapil had promised to walk the ramp with Anayara only last year and he fulfilled that promise through this event. Kapil said that he is very happy to give his small contribution by walking the ramp for such a good cause. Apart from Kapil, Krishna Abhishek and Bharti Singh also appeared in this show. Apart from this, Aditya Seal, Aparshakti Khurana and Nia Sharma have also been a part of this event. On the other hand, Bharti Singh was also the center of attraction in this event. She appeared in the event with her son Gola. Even though Gola is still small and cannot walk, Krishna Abhishek lifted him in his lap and walked the ramp with Bharti Singh. Bharti's husband Harsh Limbachia was not seen during this period. Gola looked engrossed in his own tune and waved at the audience.

Ada reacted to the love showered on the film, said- the audience had big dreams for me

The film 'The Kerala Story' is running riot at the box office. Adah Sharma played the lead role in this film. The film is getting an overwhelming response from the audience. Released on May 5, the film has collected more than 125 crores in just ten days and continues to earn big. Adah Sharma has recently reacted to the immense love that 'The Kerala Story' is getting. Adah Sharma's happiness knows no bounds. He says that the audience always had big dreams for him. In a conversation with news agency ANI, Adah Sharma was asked about the response she is getting from the audience, she said, 'I think that this will be my last film if I do any film. Because I don't know whether I will get another chance or not and whether anyone will believe me or not.' Adah further said, 'I think the audience has always had big dreams for me. All those dreams have now come true. I am very lucky. When the actress was asked if she expected this response to the film? On this, she said, 'I cannot believe the response the film is getting, because I did not expect this kind of thing. I am very thankful to the audience. Adah further said, 'My dreams were always small, like playing with elephants and dogs. I always dreamed of doing good roles. But, it is never known how many of these will be found. Talking on nepotism, Adah said, 'I think I am very lucky. I've never had dreams like this. I felt that this is not possible for a girl who does not belong to the industry. He cannot get enough love from the audience. But, now there is no place for my happiness to see that such a large number of people are coming to watch the film. Adah said, 'I think our dreams do come true. When we started making this film, we thought that we would spread awareness among girls. Now when people are watching, it is a pleasure that people will be able to face the reality. Talking about the collection of the film 'The Kerala Story', the film's earnings have crossed Rs 136 crore in ten days.

Indore's daughter became a star within a year, after commercials and music videos, now it's the turn of the big screen

Mumbai is the spring of engineers in the film world. Sonal Singh of Indore has added a new name to the stars who have entered the field of acting after studying engineering. Sonal, who decided to pursue acting as her career after studying IT, has made Mumbai her base in the last year itself and has so far appeared in an award winning short film, several music videos and international commercials. Sonal's next leg is now the big screen and she has got some great offers for it. After passing her board exams from Emerald Heights International School, Indore, Sonal did B.Tech in Information Technology. But, his love for acting pulled him to Mumbai. Sonal says, 'I liked Karisma Kapoor very much from the beginning. When I was younger, whenever Karishma's song would play on TV, I would automatically start dancing. Sometimes people used to call me Baby Karishma, even then I could not understand its meaning. But then when I started getting offers for ad films when I grew up, I realized that maybe this is my real path.” Sonal, daughter of Rakesh Singh, general manager at Sanchi Dairy, is happy that her parents supported her. Supported the decision to enter the acting field. Sonal says, 'Just now on Mother's Day, I was talking to my mother Suman Singh. She was saying that whatever I have to do, I have to do it with full passion and full dedication. This teaching of my mother always stays with me that whatever work I have to do, I have to give my hundred percent. And, perhaps it is my dedication towards my work that got me endorsements from international brands like Nivea, Reliance Juil, Flamingo and Bajaj Finance. Is about to be released. She says, 'My new music video 'Na Ishq Tumse Karenge' is releasing on Tuesday. Music videos take me to a different world. A short three to four minute story like video gives a good chance for an artist to showcase his expressions. Although in music videos, more emphasis is on keeping everything enticing, but I am lucky that I also get a chance to improve my performance through these videos. And for me, acting is also an opportunity to keep discovering and reinventing myself through my personality and the characters I play." Sonal Singh, a die-hard fan of box office king Shah Rukh Khan, says, "The biggest thing I have learned from Shah Rukh sir is , He has to answer everything through his work. He doesn't argue. Even if someone says good or bad to him, he laughs and avoids it. His example of endurance is hardly found in any other artist's cinema. He knows how to respect women and respects them a lot not only in cinema but also in personal life.Supported the decision to enter the acting field. Sonal says, 'Just now on Mother's Day, I was talking to my mother Suman Singh. She was saying that whatever I have to do, I have to do it with full passion and full dedication. This teaching of my mother always stays with me that whatever work I have to do, I have to give my hundred percent. And, perhaps it is my dedication towards my work that got me endorsements from international brands like Nivea, Reliance Juil, Flamingo and Bajaj Finance. Is about to be released. She says, 'My new music video 'Na Ishq Tumse Karenge' is releasing on Tuesday. Music videos take me to a different world. A short three to four minute story like video gives a good chance for an artist to showcase his expressions. Although in music videos, more emphasis is on keeping everything enticing, but I am lucky that I also get a chance to improve my performance through these videos. And for me, acting is also an opportunity to keep discovering and reinventing myself through my personality and the characters I play." Sonal Singh, a die-hard fan of box office king Shah Rukh Khan, says, "The biggest thing I have learned from Shah Rukh sir is , He has to answer everything through his work. He doesn't argue. Even if someone says good or bad to him, he laughs and avoids it. His example of endurance is hardly found in any other artist's cinema. He knows how to respect women and respects them a lot not only in cinema but also in personal life.ing enticing, but I am lucky that I also get a chance to improve my performance through these videos. And for me, acting is also an opportunity to keep discovering and reinventing myself through my personality and the characters I play." Sonal Singh, a die-hard fan of box office king Shah Rukh Khan, says, "The biggest thing I have learned from Shah Rukh sir is , He has to answer everything through his work. He doesn't argue. Even if someone says good or bad to him, he laughs and avoids it. His example of endurance is hardly found in any other artist's cinema. He knows how to respect women and respects them

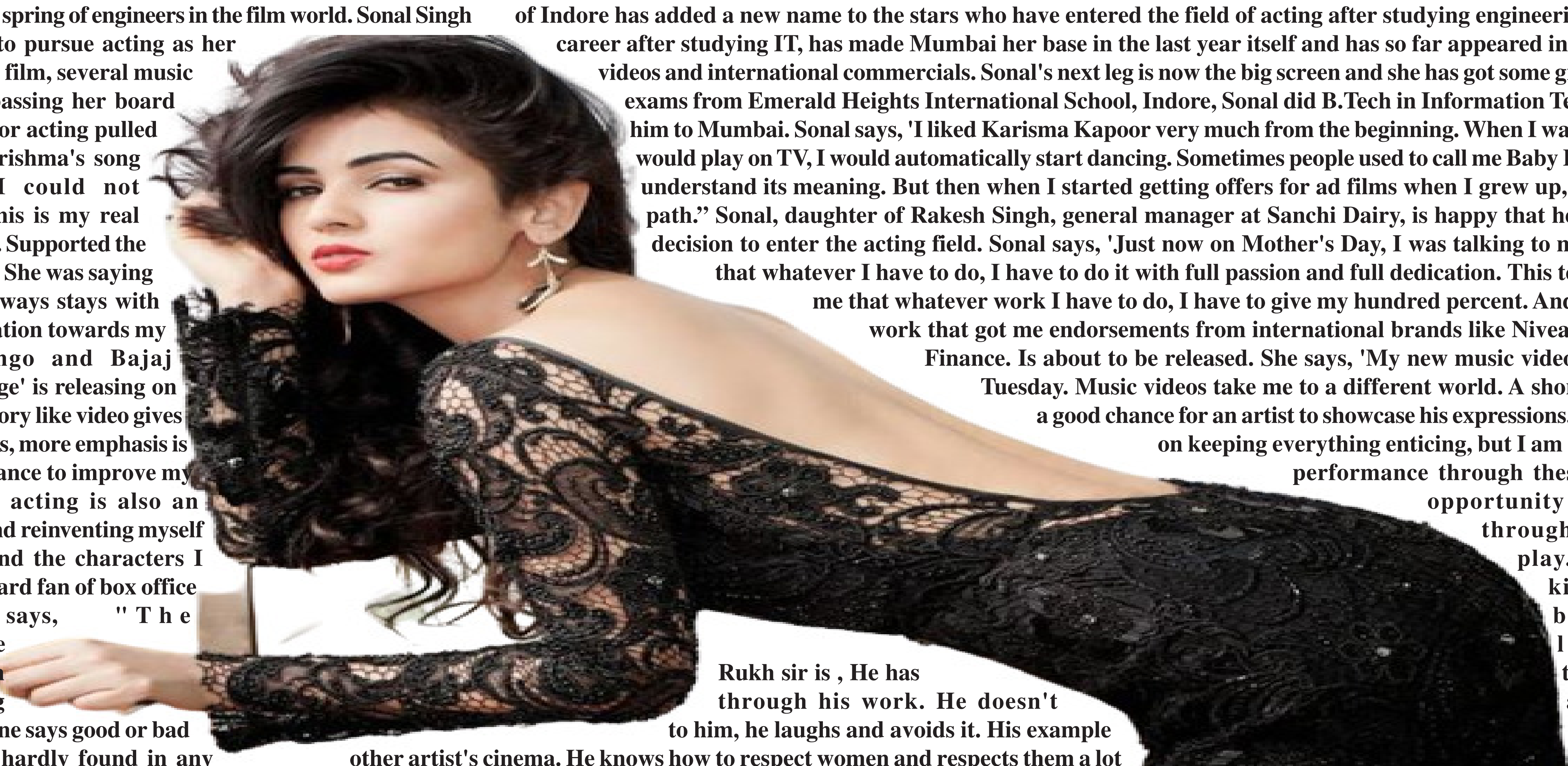

विधायक व डीसी ने शहीद सुखदेव को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

◆आईजी और सीपी जयंती को चिह्नित करने के लिए राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में भी शामिल होते हैं

लुधियाना- विधानसभा सदस्य (विधायक) अशोक पराशर पप्पी, गुरप्रीत बस्सी गोगी, कुलवंत सिंह सिद्धू, दलजीत सिंह भोला ग्रेवाल और डिप्टी कमिश्नर सुरभि मलिक ने सोमवार को हमारे महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद सुखदेव जी को उनकी पुण्यतिथि पर उनके पैतृक आवास मोहल्ला नौघरा में पुष्पांजलि अर्पित की।आईजी लुधियाना रेंज डॉ. कौस्तुभ शर्मा, पुलिस कमिश्नर मनदीप सिंह सिद्धू सहित अन्य ने भी शहीद को श्रद्धांजलि दी। भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय समारोह की अध्यक्षता करते हुए विधायक अशोक पराशर पप्पी और उपायुक्त सुरभि मलिक ने कहा कि चौड़ा बाजार से शहीद के पैतृक घर तक सीधे पहुंच मार्ग के लिए संपत्ति अधिग्रहण की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है और जल्द ही काम शुरू किया जाएगा क्योंकि सभी औपचारिकताएं पहले ही पूरी हो चुकी हैं।उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजा और पारदर्शिता के अधिकार के तहत संपत्ति अधिग्रहण की फाइल सभी कानूनी और तकनीकी बाधाओं को दूर कर संबंधित प्राधिकरण को भेज दी गई है। विधायक और डीसी ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार चौड़ा बाजार से क्रांतिकारी नेता के घर तक सीधे पहुंच मार्ग सुनिश्चित करने की परियोजना को तेजी से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि शहीद सुखदेव, शहीद भगत सिंह और शहीद राजगुरु ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है और देशवासी उनका ऋणी रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि देश के इन महान सपूतों ने विदेशी साम्राज्यवाद की बेड़ियों से देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने कहा कि शहीदों की वजह से ही हम शांतिपूर्ण माहौल और सांप्रदायिक सद्भाव में रह रहे हैं। इस अवसर पर एडीसी अमरजीत बैंस, एसडीएम गुरसिमरन सिंह ढिल्लों, शहीद सुखदेव थापर मेमोरियल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक थापर, त्रिभुवन थापर और अन्य शामिल थे।

विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू ने मिश्रित भूमि उपयोग क्षेत्रों में कार्यरत एमएसएमई इकाइयों का मामला मुख्यमंत्री के समक्ष उठाने का आश्वासन दिया

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- विधान सभा सदस्य (एमएलए) कुलवंत सिंह सिद्धू ने सोमवार को मिश्रित भूमि उपयोग (एमएलयू) क्षेत्रों में मौजूदा एमएसएमई इकाइयों को पूरे दिल से समर्थन देने और मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत मान के साथ उनके मुद्दे को उठाने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधियों के साथ बैठक में सीआईसीयू के अध्यक्ष उपकार सिंह आहूजा के नेतृत्व में सिद्धू ने कहा कि वह इस मामले को मुख्यमंत्री भगवंत मान के समक्ष उठाएंगे और इन मुद्दों को हल करने के लिए उचित कार्रवाई की जाएगी। उपकार सिंह आहूजा ने कहा कि एमएलयू क्षेत्रों में 25000 इकाइयां चल रही हैं और अधिकांश इकाइयां सूक्ष्म क्षेत्र से हैं और इन इकाइयों को जोन-1 से स्थानांतरित करने के लिए सरकार को कम लागत वाली भूमि, बिजली कनेक्शन के स्थानांतरण के लिए कोई शुल्क नहीं जैसे अनुकरणीय पैकेज तैयार सीएलयू परिवर्तन और कम ब्याज दर पर ऋण की उपलब्धता और कार्यशील और निश्चित पूंजी आवश्यकताओं के लिए आसान किस्तें करनी चाहिए । आहूजा ने यह भी मांग की कि विशेष रूप से हरित श्रेणी में औद्योगिक इकाइयां जो इन क्षेत्रों में अपना व्यवसाय चलाना जारी रखना चाहती हैं, उन्हें एमएलयू क्षेत्रों के साथ मास्टर प्लान के अलावा बाहर जाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए और कोई समय सीमा तय नहीं की जानी चाहिए। विधायक सिद्धू ने कहा कि इस मसले को हल करने के लिए उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की जाएगी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में प्रमुख रूप से सतिंदर सिंह, गुरचरण सिंह जेमको, दीदारजीत सिंह लोटे, रोहित पाहवा, जसप्रीत सिंह पनेसर, सतिंदर सिंह लोटे, हरजीत सिंह सग्गू, तजिंदर सिंह लोटे, कुलवंत सिंह सल के अलावा कई अन्य शामिल थे।

पंजाब में महंगी हुई बिजली: दाम प्रति यूनिट 80 पैसे तक बढ़े, CM मान बोले- मुफ्त बिजली योजना पर असर नहीं

जालंधर उपचुनाव के होते ही पंजाब के लोगों को बड़ा झटका लगा है। वहीं विपक्ष ने इस पर सरकार पर निशाना साधा है। जालंधर उपचुनाव की प्रक्रिया पूरी होते ही पंजाब विद्युत नियामक आयोग ने सूबे के लोगों को जोर का झटका दिया है। राज्य में घरेलू बिजली के दाम में प्रति यूनिट 80 पैसे तक का इजाफा करने के प्रस्ताव को नियामक आयोग ने मंजूरी दे दी है और वित्त वर्ष 2023-24 के लिए बिजली के नए टैरिफ चार्ज तय कर दिया है। नया टैरिफ 16 मई से लागू हो जाएगा। नए टैरिफ में घरेलू, व्यवसायी और औद्योगिक बिजली दरों में बढ़ोतरी के साथ-साथ प्रति माह फिक्स चार्ज में भी वृद्धि की गई है। इसके चलते प्रति यूनिट बिजली की नई दरें सभी वर्गों को प्रभावित करेंगी। इस बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एलान किया है कि बिजली के बढ़े दाम राज्य सरकार की 600 यूनिट मुफ्त बिजली की योजना को प्रभावित नहीं करेंगे और इस मद पर बढ़ी हुई दरों का भुगतान राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। नए टैरिफ के अनुसार दो किलोवाट क्षमता वाले घरेलू उपभोक्ता को 100 यूनिट तक प्रति यूनिट 3.49 रुपये की दर से मिलने वाली बिजली की दर बढ़ाकर 4.49 रुपये प्रति यूनिट कर दी गई है। वहीं 101-300 यूनिट तक 5.84 रुपये प्रति यूनिट की जगह अब 6.64 रुपये प्रति यूनिट देना होगा। 300 यूनिट से अधिक उपभोग पर नई दर 7.75 रुपये प्रति यूनिट होगी। 2-7 किलोवाट क्षमता वाले उपभोक्ताओं के लिए भी प्रति यूनिट बिजली दर में, 100 यूनिट तक 70 पैसे, 101-300 यूनिट तक 80 पैसे और 300 यूनिट से अधिक उपभोग पर 45 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की गई है लेकिन इसके साथ ही मासिक फिक्स चार्ज में इजाफा किया गया है, जो पहले 100 यूनिट तक 35 से बढ़कर 50, 101-300 यूनिट तक 60 से बढ़कर 75 और 300 से अधिक यूनिट पर 95 से 110 कर दिया गया है। वहीं, बड़े घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बिजली दर 6.63 रुपये प्रति यूनिट से बढ़ाकर 6.96 रुपये प्रति यूनिट कर दिया गया है। गैर आवासीय बिजली सप्लाई में केवल 500 यूनिट से अधिक उपभोग वाले लोगों की जेब ढीली करते हुए 20 किलोवाट से अधिक खपत वाले गैर आवासीय प्रयोग के लिए फिक्स चार्ज के साथ ऊर्जा दरों में भी 6.35 रुपये प्रति यूनिट से बढ़ाकर 6.75 रुपये प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। इस वर्ग में छोटे खपतकारों के लिए केवल फिक्स चार्ज में बढ़ोतरी की गई है। राज्य के औद्योगिक क्षेत्र की बिजली दरों में भी परिवर्तन हुआ है। इसके तहत 20 किलोवाट तक क्षमता वाले छोटे उद्योगों के लिए बिजली दर 5.37 रुपये प्रति यूनिट से बढ़ाकर 5.67 रुपये प्रति यूनिट कर दी गई। इस वर्ग में मध्यम सप्लाई (20-100 किलोवाट) वाले उपभोक्ताओं के लिए बिजली दर 5.80 रुपये प्रति यूनिट से बढ़ाकर 6.10 रुपये प्रति यूनिट कर दी गई है। लार्ज सप्लाई वाले सामान्य उद्योगों (100-1000 किलोवाट तक) के लिए 6.05 रुपये प्रति यूनिट की दर को बढ़ाकर 6.45 रुपये प्रति यूनिट, 1000-2500 किलोवाट तक 6.15 रुपये के बजाय 6.55 रुपये प्रति यूनिट और 2500 किलोवाट से अधिक के खपतकारों के लिए नई बिजली दर 6.27 के बजाय 6.67 रुपये प्रति यूनिट की है। पीआईयू उद्योगों के लिए बिजली की प्रति यूनिट दरों में 40 पैसे का इजाफा किया गया है। रात के समय औद्योगिक खपतकारों को मिलने वाली बिजली दरों को 4.86 रुपये प्रति यूनिट से बढ़ाकर 5.24 रुपये प्रति यूनिट कर दिया गया है।मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य में नई बिजली दरों को लेकर स्पष्ट किया है कि सरकार द्वारा प्रति माह 300 यूनिट मुफ्त बिजली की योजना पर इसका प्रभाव नहीं पड़ेगा और बिजली दरों में बढ़ोतरी का खर्च राज्य सरकार अदा करेगी। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया कि आम लोगों पर इसका बोझ नहीं पड़ने दिया जाएगा और प्रति माह 300 यूनिट वाली योजना के एक भी मीटर पर असर नहीं पड़ेगा।

इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग होगी महंगी

राज्य में इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशनों को भी अब बिजली महंगी मिलेगी। इसके लिए मौजूदा छह रुपये प्रति यूनिट की दर को बढ़ाकर 6.28 रुपये कर दिया गया है। इनके अलावा श्री हरमंदिर साहिब और श्री दुर्ग्याना मंदिर को पहले की तरह 2000 यूनिट मुफ्त बिजली मिलती रहेगी लेकिन 2000 यूनिट से ऊपर लागू 6.11 रुपये प्रति यूनिट की दर को बढ़ाकर 6.41 रुपये प्रति यूनिट कर दिया गया है। मुफ्त बिजली देने का दावा करने वाली आप सरकार, गर्मी में बिजली महंगी कर अपना ही वादा भूल गई और साबित कर दिया कि यह सरकार अपने वादे पूरे करने में बड़ा कीर्तिमान स्थापित करेगी। अरविंद खन्ना ने कहा कि सरकार ने जालंधर की जीत का तोहफा पंजाबियों को बिजली बिलों में बढ़ोतरी के रूप में दिया है। उन्होंने कहा कि पहले औद्योगिक बिजली दरों में वृद्धि की गई थी और अब घरेलू बिजली दरों में 56 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। खन्ना ने कहा कि सरकार ने पंजाबियों को कदम दर कदम धोखा दिया है।

जालंधर उपचुनाव में जीत के बाद मान सरकार ने पंजाब की जनता को बिजली दरों में वृद्धि कर दिया पहला तोहफा-रजनीश धीमान

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- जालंधर उपचुनाव में जीत के बाद भगवंत मान सरकार का पंजाब की जनता को पहला तोहफा बिजली दरों में 70 पैसे प्रति यूनिट वृद्धि कर दिया गया है। उक्त शब्द जिला भाजपा अध्यक्ष रजनीश धीमान ने भगवंत मान सरकार द्वारा बढ़ाई बिजली की दरों पर कटाक्ष करते हुए कहे।उन्होंने कहा कि एक तरफ तो सरकार लोगो को फ्री बिजली देकर आम जनता की वाहवाही लूटने की कोशिश कर रही है।वही दूसरी तरफ बिजली के रेट बढ़ा कर पंजाब की इंडस्ट्री को तबाही के कगार पर पहुंचा रही है। पंजाब की इंडस्ट्री पहले ही मंदी के दौर से गुज़र रही है। उस पर भगवंत मान सरकार द्वारा बिजली के रेट और फिक्स चार्ज बढ़ा कर पंजाब की जनता को एक ओर झटका दिया है। बढ़ाई बिजली की दरों को तत्काल प्रभाव से लागू कर भगवंत मान सरकार पंजाब में तानाशाही रवैया अपना रही है।भगवंत मान सरकार ने जालंधर उपचुनाव फ्री बिजली के मुद्दे पर जीता और चुनाव जीतने के जुम्मा जुम्मा दो दिन बाद ही गिरगिट की तरह रंग बदल कर आम जनता की राय लिए बिना बिजली की दरों में वृद्धि कर दी।जिससे इनकी नीयत में खोट साफ झलक रहा है। भगवंत मान सरकार द्वारा 2 किलोवाट तक लोड वाले उपभोक्ताओं को पहले 100 युनिट के लिए दर 3.49 रुपए से बढ़ाकर 4.19 रुपए प्रति यूनिट कर दी गई है। इसके साथ ही फिक्स चार्ज भी 35 रुपए से बढ़ाकर 50 रुपए प्रति किलोवाट कर दिए गए हैं। 101 से 300 यूनिट तक दर 5.84 रुपए से बढ़ाकर 6.64 रुपए प्रति यूनिट और 300 से अधिक यूनिट के लिए 7.30 रुपए से बढ़ाकर 7.75 रुपए प्रति यूनिट कर दी गई है। भाजपा जिला अध्यक्ष रजनीश धीमान ने कहा की पंजाब में हर रोज बिजली के बड़े बड़े कट लगाए जा रहे है जिससे पंजाब की जनता बहुत परेशान है ।रजनीश धीमान ने कहा कि भगवंत मान सरकार बिजली के बढ़ाए रेटो को तुरंत वापिस ले और बिजली के कटो से भी पंजाब की जनता को राहत दे।

अंबेडकर नवयुवक दल की सारी कार्यकारिणी और इकाइयां भंग – राजीव कुमार लवली

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- अंबेडकर नवयुवक दल के संरक्षक राजीव कुमार लवली ने संगठन की सारी कार्यकारिणी और जिले से लेकर मोहल्ला स्तर तक की सभी इकाइयों को तुरंत प्रभाव से भंग कर दिया है जबकि बंसी लाल प्रेमी कार्यकारी प्रधान रहेंगे। लवली ने बताया कि संगठन के पुनर्गठन हेतु एक 7 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है, जो तीन महीनों तक सभी कमेटियों का द्वारा गठन करेगी। इस 7 सदस्यीय कमेटी में शिव शंकर प्रजापति, इंदल प्रसाद, राज कुमार, हरिकेश, जनार्दन मुनि, राम नयन व शिव कुमार शामिल हैं।

जिला योजना बोर्ड के अध्यक्ष ने पंजाब के वित्त मंत्री और शिक्षा मंत्री से मुलाकात की

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- जिला योजना बोर्ड के चेयरमैन शरणपाल सिंह मक्कड़ ने आज पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा और पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस से मुलाकात की और लुधियाना की विभिन्न विकास परियोजनाओं पर चर्चा की । जिले के सामाजिक-आर्थिक विकास में भरपूर सहयोग की मांग करते हुए शरणपाल सिंह मक्कड़ ने कहा कि वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने लोगों की सुविधा के लिए परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया है । उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार लुधियाना को देश में बेहतरीन बुनियादी ढांचे के मामले में अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और वह लुधियाना निवासियों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने दो न्यायिक भवनों के लिए धन जारी करने के लिए मंत्री को धन्यवाद भी दिया। बाद में, उन्होंने शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस से भी मुलाकात की और जिला बार एसोसिएशन लुधियाना को 10 लाख रुपये की धनराशि के आवंटन और जारी करने के लिए धन्यवाद दिया और उन्होंने उन्हें जालंधर लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई दी और योजना बोर्ड लुधियाना के विकास के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में प्रमुख रूप से गगनदीप सिंह सैनी, सचिन शर्मा, करण सिंह, विकास गुप्ता, करण सिंह भल्ला, गुरप्रीत सिंह सैनी, जी एस संधर सहित जिला बार एसोसिएशन के सदस्य शामिल थे।

AAP के इकलौते लोकसभा सांसद की कहानी: कांग्रेस ने निकाला, 24 घंटे में AAP से मिला टिकट और 38 दिन में बने सांसद

एक समय था, जब रिंकू कांग्रेस के लिए सियासत के पिच पर बैटिंग करते थे, लेकिन पार्टी ने उन्हें बाहर निकाला तो उन्होंने आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया।ये कहानी है आम आदमी पार्टी (ृक्क) के इकलौते नवनिर्वाचित लोकसभा सांसद सुशील कुमार रिंकू की। हाल के दिनों में रिंकू काफी चर्चा में आए हैं। वह लोकसभा में आम आदमी पार्टी के इकलौते सदस्य हैं। एक समय था, जब रिंकू कांग्रेस के लिए सियासत के पिच पर बैटिंग करते थे, लेकिन पार्टी ने उन्हें बाहर निकाला तो उन्होंने आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया।

परिवार कांग्रेसी था, खुद कांग्रेस से शुरू की राजनीति

पांच जून 1975 को सुशील कुमार रिंकू का जन्म जालंधर में हुआ था। रिंकू का पूरा परिवार कांग्रेसी था। रिपोर्टर्स के मुताबिक, उनके चाचा और पिता ने लगभग हर विधानसभा और संसद चुनाव में पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम किया। 1977 में आपातकाल के दौरान, उनके पूरे परिवार को कांग्रेस पार्टी का समर्थन करने के लिए जेल में डाल दिया गया था।

एनएसयूआई से शुरू की राजनीति

रिंकू ने अपने सियासी सफर की शुरुआत कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई से की। 1990 में वह एनएसयूआई के सक्रिय सदस्य रहे। 1992 में पंजाब में उपचुनाव हुए तो सुशील कुमार रिंकू ने युवाओं को कांग्रेस से जोड़ा। बूथ स्तर पर नेताओं को जोड़ा। 1994 में सुशील रिंकू को डीएवी कॉलेज जालंधर में श्री गुरु रविदास की सांस्कृतिक सोसायटी के अध्यक्ष के रूप में चुना गया। साल 2002 में लोकसभा चुनाव के दौरान कार्यकर्ता के तौर पर उन्होंने खूब मेहनत की। तब वह पार्टी के बड़े नेताओं की नजर में आए।

2006 में पहली बार पार्षद बने

2006 में पहली बार निकाय चुनाव लड़े और पार्षद चुने गए। 2500 वोटों से जीत हासिल की। 2017 में उन्हें कांग्रेस ने जालंधर पश्चिम से टिकट दिया और वह विधायक चुन लिए गए। हालांकि, 2022 चुनाव में रिंकू को हार का सामना करना पड़ा था।

कांग्रेस ने निकाला तो 24 घंटे में आप से टिकट मिल गया, 38 दिन में सांसद बन गए

सुशील कुमार रिंकू को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते कांग्रेस ने पांच अप्रैल को निष्कासित कर दिया। इसके ठीक अगले दिन यानी छह अप्रैल को रिंकू ने आम आदमी पार्टी का दामन थामा और उन्हें टिकट भी मिल गया। 10 मई को जालंधर में लोकसभा का उपचुनाव हुआ। 13 मई को नतीजे आए और 38 दिन के अंदर रिंकू सांसद बन गए। रिंकू 57 हजार से ज्यादा वोटों से जीते। दूसरे स्थान पर कांग्रेस की करमजीत कौर चौधरी रहीं। वहीं तीसरे नंबर पर शिरोमणि अकाली दल-बसपा गठबंधन के सुखविंदर सुखी और चौथे पर बीजेपी के इंदर इकबाल अटवाल रहे।

महाराष्ट्र: इलाज के लिए सात किलोमीटर पैदल चली गर्भवती आदिवासी महिला, लू लगने से हुई मौत

पालघर जिले में एक गांव से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) जाने और फिर घर लौटने के लिए सात किलोमीटर पैदल चलने के बाद एक गर्भवती आदिवासी महिला की लू लगने से मौत हो गई। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक गांव से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) जाने और फिर घर लौटने के लिए सात किलोमीटर पैदल चलने के बाद एक गर्भवती आदिवासी महिला की लू लगने से मौत हो गई। पालघर जिले के सिविल सर्जन डॉ. संजय बोडादे ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को उस समय हुई जब दहानु तालुका के ओसार वीरा गांव की सोनाली वाघट (21 वर्षीय) चिलचिलाती धूप में 3.5 किलोमीटर पैदल चलकर पास के एक राजमार्ग पर पहुंची, जहां से वह ऑटो रिक्शा से तवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) पहुंचीं क्योंकि उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। उन्होंने बताया कि महिला गर्भावस्था के नौवें महीने में थी। उसका इलाज पीएचसी में किया गया और घर भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी के बीच वह फिर से राजमार्ग से घर वापस आने के लिए 3.5 किलोमीटर तक पैदल चली। अधिकारी ने बताया कि बाद में शाम को उसे स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हुईं और वह धुंडलवाड़ी पीएचसी गईं, जहां से उन्हें कासा उप-संभागीय अस्पताल (एसडीएच) रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने उसका इलाज किया क्योंकि उसका तापमान अधिक था और उसे आगे के इलाज के लिए डहाणू के धुंधलवाड़ी स्थित एक विशेष अस्पताल में रेफर कर दिया, जहां वह %सेमी-कोमोर्बिड% स्थिति में पाई गई। डॉक्टर ने बताया कि एंबुलेंस में रास्ते में उसकी मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि गर्म मौसम में जब महिला सात किलोमीटर तक पैदल चली तो उसकी हालत बिगड़ गई और लू लगने से उसकी मौत हो गई। डॉ बोडादे ने कहा कि उन्होंने पीएचसी और एसडीएच का दौरा किया और घटना की विस्तृत जांच की। सोमवार सुबह कासा एसडीएच में मौजूद पालघर जिला परिषद के अध्यक्ष प्रकाश निकम ने बताया कि महिला को खून की कमी थी और एक आशा (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता) कार्यकर्ता उसे एसडीएच में लेकर आई थी। उन्होंने कहा कि वहां डॉक्टरों ने उसकी जांच की और उसे दवाइयां दीं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि कासा एसडीएच में आपात स्थिति में ऐसे मरीजों के इलाज के लिए गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) और विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं हैं। उन्होंने कहा, अगर ये सुविधाएं होतीं तो आदिवासी महिला की जान बचाई जा सकती थी। निकम ने कहा कि वह इस मुद्दे को उचित स्तर पर उठाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

कार्यकाल के आखिरी दिन रो पड़े स्ष्ट के न्यायाधीश एमआर शाह, कहा- मैं सेवानिवृत्त होने वाला व्यक्ति नहीं

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि शाह हमेशा चुनौती के लिए तैयार रहते हैं। यहां तक कि कोविड के समय में भी मैंने पाया कि जब हम अपने-अपने घरों में बैठे थे और कुछ पेचीदे मामले सामने आ रहे थे उस समय वह हर चुनौती के लिए तैयार थे।सुप्रीम कोर्ट के चौथे वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति एमआर शाह का सोमवार यानी आज उनके काम का आखिरी दिन था। इस दौरान वह भावुक हो गए। उन्होंने रोते हुए कहा कि वह सेवानिवृत्त होने वाले व्यक्ति नहीं हैं। जीवन में एक नई पारी की शुरुआत करेंगे। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली औपचारिक बेंच पर बैठे न्यायमूर्ति शाह ने अपने भाषण के अंत में राज कपूर का फेमस गाना 'जीना यहां, मरना यहां' गाया। उन्होंने कहा कि मैं सेवानिवृत्त होने वाला व्यक्ति नहीं हूं। मैं अपने जीवन की एक नई पारी शुरू करने जा रहा हूं। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह नई पारी के लिए शक्ति और साहस और अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करें। साथ ही उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि मुझे राज कपूर का गाना 'कल खेल में हम हो ना हो, गर्दिश में तारे रहेंगे सदा% याद आ रहा है। बता दें, 2 नवंबर, 2018 को शीर्ष अदालत में नियुक्त किए गए न्यायमूर्ति शाह की सेवानिवृत्ति के साथ शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की संख्या अब सीजेआई सहित 32 हो जाएगी। एक दिन पहले ही जस्टिस दिनेश माहेश्वरी सेवानिवृत्त हुए थे।

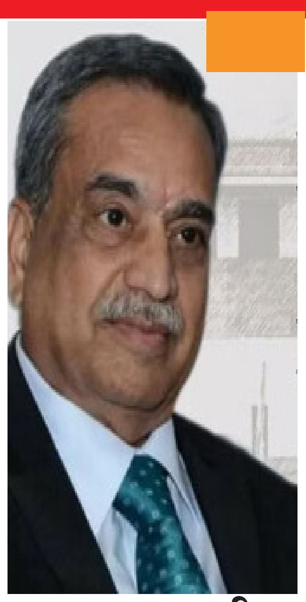

प्रधान न्यायाधीश ने तारीफ के बांधे पुल

विदाई समारोह में प्रधान न्यायाधीश ने शाह के साथ अपने रिश्तों को याद किया। उन्होंने कहा कि मैं भारत का अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल था उस समय से मेरा शाह के साथ रिश्ता है। बाद में जब वह सुप्रीम कोर्ट में आए तो हमारी दोस्ती को एक नया रूप मिल गया। उन्होंने कहा कि हम कठिन समय में कोरोना महामारी के दौरान एक साथ बैठे। सीजेआई ने आगे कहा कि जब मैं शाम को इस अध्यक्षता से मुक्त हो जाऊंगा, तब शाह के दोस्त के रूप में आप सभी से बात करूंगा।

काम से कभी पीछे नहीं हटे

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि शाह हमेशा चुनौती के लिए तैयार रहते हैं। यहां तक कि कोविड के समय में भी मैंने पाया कि जब हम अपने-अपने घरों में बैठे थे और कुछ पेचीदे मामले सामने आ रहे थे उस समय वह हर चुनौती के लिए तैयार थे। उन्होंने कहा कि वह कभी ऐसे व्यक्ति नहीं रहे, जो काम से बचते हों। अगर मैंने एक निर्णय भेजा होगा तो शाह का फैसला रातोंरात उनकी टिप्पणियों के साथ वापस आ जाता था।

शाह ने साथियों से मांगी माफी

न्यायमूर्ति शाह ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में सेवा करने में मदद करने के लिए बार के सदस्यों और एससी अधिकारियों और उनके सहायक कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। शाह ने कहा कि मुझे नहीं पता कि मैं इसके लायक हूं या नहीं, लेकिन मैं इसे विदाई उपहार के रूप में स्वीकार करता हूं। उन्होंने कहा कि मेरे कार्यकाल के दौरान अगर किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो मैं माफी मांगता हूं। मैंने हमेशा अपने काम को पूजा के रूप में लिया है। मैं आपके द्वारा दिए गए प्यार और स्नेह से अभिभूत हूं। मैं सभी का आभारी हूं।

बार ने कहा- आपके परिवार को भी मिलना चाहिए आपका समय

अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अन्य सहित बार के नेताओं ने बेंच में जस्टिस शाह को उनके सेवानिवृत्ति के लिए बधाई दी। मेहता ने कहा कि मैंने अपने भगवान को एक न्यायाधीश के रूप में और एक वकील के रूप में भी जाना है, वह उन कुछ बहादुर न्यायाधीशों में से एक हैं जिन्हें मैंने जाना है। आपके द्वारा लिखे गए निर्णयों की संख्या से पता चलता है कि आपके परिवार ने सबसे अधिक पीड़ा झेली है। अब आपका समय उनको भी मिलना चाहिए। वहीं, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि वह न्यायमूर्ति शाह को काफी लंबे समय से जानते हैं और वह एक वकील की तरह निडर हैं।शाह की उपलब्धियों पर एक नजर- न्यायमूर्ति मुकेश कुमार रसिकभाई शाह का जन्म 16 मई, 1958 को हुआ था। 19 जुलाई, 1982 को एक वकील के रूप में नामांकन कराया। उन्होंने गुजरात उच्च न्यायालय में भूमि, संवैधानिक और शिक्षा मामलों में विशेषज्ञता हासिल की। 7 मार्च, 2004 को गुजरात उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त हुए। 22 जून, 2005 को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया। उन्हें 12 अगस्त, 2018 को पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें 2 नवंबर, 2018 को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था और वह आज यानी 15 मई, 2023 को सेवानिवृत्त हुए हैं।

सीएम एन बीरेन बोले- मणिपुर की अखंडता की रक्षा की जाएगी, उग्रवादियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

सीएम बीरेन सिंह ने कहा, अमित शाह ने कहा कि अवैध हथियार रखने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने आश्वासन दिया कि केंद्र राज्य की मौजूदा स्थिति से दृढ़ता से निपटेगा और शांति और सामान्य स्थिति बहाल करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि ऑपरेशन के निलंबन (एसओओ) के बाद अवैध हथियार रखने के लिए राज्य के उग्रवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जनहानि और संपत्तियों के नुकसान के लिए मणिपुर के लोगों के प्रति केंद्रीय गृह मंत्री की ओर से हार्दिक संवेदना व्यक्त की। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को पूर्वोत्तर राज्य के कुकी बहुल जिलों के लिए एक अलग प्रशासन के लिए अपनी ही पार्टी के सात सहित 10 विधायकों की मांगों को खारिज करते हुए कहा, मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा की जाएगी। यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए सिंह ने कहा, कल हमने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और राज्य के विवरण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इस घटना पर दुख व्यक्त किया। इसके अलावा सिंह ने कहा कि अमित शाह ने राज्य सरकार में शांति बहाल के लिए कहा। कुकी नेशनल आर्मी और ज़ोमी रिवोल्यूशनरी आर्मी के साथ उग्रवादी समूहों के साथ ऑपरेशन के निलंबन (एसओओ) के संबंध में, अमित शाह ने राज्य के लोगों को आश्वासन दिया कि समझौते के नियमों के अनुसार, सेना, संयुक्त निगरानी समिति और राज्य पुलिस ने संयुक्त रूप से कई शिविरों का निरीक्षण किया है, जहां हथियार मिले हैं।सीएम बीरेन सिंह ने कहा, अमित शाह ने कहा कि अवैध हथियार रखने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने आश्वासन दिया कि केंद्र राज्य की मौजूदा स्थिति से दृढ़ता से निपटेगा और शांति और सामान्य स्थिति बहाल करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि राज्य की एकता और अखंडता को किसी भी कीमत पर प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा। इस बात की भी जांच की जा रही है कि क्या बंदूकें रखने वाले समूह, सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन (एसओओ) के तहत उग्रवादी समूहों के अलावा, हिंसा करने में शामिल थे या नहीं। गृह मंत्री ने हाल ही में हुई हिंसा से प्रभावित लोगों के लिए क्या किया जा सकता है, इसका विवरण प्रस्तुत करने के लिए भी कहा था और जल्द ही प्रभावित लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था करने का आश्वासन भी दिया है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सभी लोगों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की रैली, धरना-प्रदर्शन में शामिल नहीं हों, ऐसी गतिविधियां राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए की गई पहल को बाधित कर सकती हैं। राज्य सरकार राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है।

उन्होंने कहा कि तलहटी में अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है और विभिन्न स्थानों पर खोले गए आश्रय शिविरों में रहने वाले लोगों के लिए आवश्यक वस्तुएं पहुंचाई जा रही हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि वे अफवाहों और असत्यापित सूचनाओं पर विश्वास न करें। मौजूदा स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है और यदि इसे नियंत्रित नहीं किया गया, तो यह हमारी भावी पीढ़ी के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए राज्य सरकार के प्रयास में नागरिक समाज संगठनों का समर्थन मांगा। इस मौके पर बिजली मंत्री थोंगम बिस्वजीत, महूद मंत्री युमनाम खेमचंद, निर्माण मंत्री गोविंददास कोंथौजम, आईपीआर मंत्री डॉ. सपम रंजन और राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष सोरोखैबम राजेन भी उपस्थित थे।

The price of cow dung is increasing rapidly, this formula of the government will give this benefit to the farmers along with the common people.

In the years 2017 and 2018, there was a slight decline in the demand for cow dung. But the figures of the last ten years show that the price of cow dung has been increasing continuously for the last ten years. The price of cow dung is likely to increase even further, because the central and state governments are running many schemes to buy cow dung... These days the demand for cow dung is increasing in India. The situation is that animal dung has become more expensive than their fodder. The effect of cow dung procurement schemes being run by the central and many state governments is most visible on this. Along with this, cow dung is also being promoted as a source of energy. Due to these reasons, the prices of cow dung are

increasing. In the year 2017 and 2018, there was a slight decline in the demand of cow dung. But the figures of the last ten years show that the price of cow dung has been increasing continuously for the last ten years. The price of cow dung is likely to increase even further, because the central and state governments are running several schemes to buy cow dung. Along with this, it is also being promoted as a source of energy. The demand for cow dung has also increased because its use in biogas and bio-fertilizer has increased rapidly in recent years. Earlier, the Khadi and Village Industries Commission had taken an initiative called Khadi Natural Paint, in which cow dung was the main material. Similarly, the Chhattisgarh government has started the Godhan Nyay Yojana. It has been seen that many other states are also copying this scheme. This is why the cost of cow dung will increase in future - In a discussion with Amar Ujala Digital, energy expert and writer Arvind Mishra explains the mathematics of cow dung in this way. Mishra says cow dung has long been an important feedstock in our agriculture system from the point of view of manure. Even the purpose of animal husbandry was the most important to get milk and cow dung manure. But due to the so-called Green Revolution, the use of chemical fertilizers increased in such a way that the yield increased, but along with increasing the cost of farming, it also weakened the fertility of the land. It has also had a negative impact on our health. This is the reason that once again cow dung is becoming an alternative to chemical fertilizers. According to Arvind Mishra, dung manure and compost manure are being used in the country since ancient times. Methods for preparing different types of vermicompost fertilizers have also been invented. With the modern techniques related to organic fertilizers, we can now get about five kg of nitrogen,

$ 500 million investment agreement between iPhone maker company and Telangana, 25 thousand jobs will be created

In a tweet, Rao, son of Telangana Chief Minister K Chandrasekhar Rao, said, "I am happy to announce the foundation stone laying ceremony of Foxconn's first plant at Kongar Kalan today. With an investment of over $500 million, the first phase will be completed by approx. 25000 people will get jobs." Telangana Minister KT Rama Rao today announced that Apple's manufacturing company Foxconn will invest $500 million in Telangana and 25,000 people will be employed in the first phase of the project. The Foxconn plant will come up at Kongar Kalan in Rangareddy district near Hyderabad. "I am happy to announce the foundation stone laying ceremony of Foxconn's first plant at Kongar Kalan today," Rao, son of Telangana Chief Minister K Chandrasekhar Rao, tweeted. Around 25000 people will get jobs in the first phase with an investment of over $500 million." Rama Rao, also known as KTR, is the Minister of Information Technology, Electronics and Communications of Telangana. He also holds the portfolios of Municipal Administration and Urban Development and Industries and Commerce. A joint statement issued by the Telangana government and Foxconn said the new production facility promises to continue delivering world-class products. This is a milestone for Foxconn Interconnect Technology's global expansion strategy, the statement said. The statement thanked the state government for its unwavering commitment to creating a conducive business environment. Foxconn is headquartered in New Taipei City, Taiwan, and is the world's largest manufacturer of the iPhone. Most of the company's plants are located in China.

Web Services and HR team people were handed pink slip, news of 500 people being out

Around 400 to 500 employees have been affected in the recent layoffs in Amazon. According to a source, about 100 employees have been retrenched from the PXT department in this retrenchment. The PXT department is the human resources department of the company. According to media reports, layoffs have been done once again in Amazon India. According

to the information given by the sources, this time the employees of Amazon Web Services and People Experience and Technology Solution (PXT) vertical have been affected in the retrenchment. The latest layoffs are part of an announcement made at the company in March, according to a source with knowledge of the matter. At that time the company's CEO Andy Jassy had said that about 9000 employees would be affected by the layoffs. According to sources, in this time's retrenchment, the company has handed over pink slips to the employees of the Indian team. According to sources, around 400 to 500 employees have been affected in this retrenchment. According to another source, about 100 employees have been retrenched from the PXT department in this retrenchment. The PXT department is the company's human resources department. An employee from the company's data management department said, "More than 80 people have been laid off from the department. The employees will get compensation and medical insurance benefits.

Wholesale inflation reaches below zero for the first time since July 2020, food prices also decrease

Wholesale Price Index (WPI) inflation declined to -0.92 per cent in April this year from 1.34 per cent in March this year. Wholesale Price Index based food inflation eased to 0.17 per cent in April from 2.32 per cent in March. India's Wholesale Price Index (WPI) inflation declined to -0.92 per cent in April this year from 1.34 per cent in March this year . Food inflation based on the Wholesale Price Index declined to 0.17 per cent in April from 2.32 per cent in March. Wholesale Price Index based edible oils inflation came down to minus 25.91 per cent in April while Wholesale Price Index based articles inflation stood at 1.60 per cent during the same period. Reduction in fuel prices, relief in prices of food items and mineral oils

Inflation based on the Wholesale Price Index (WPI) of fuel, power and manufactured products stood at 0.93 per cent and -2.42 per cent, respectively, in April, according to commerce ministry data. According to the commerce ministry, the decline in WPI based inflation was due to decline in prices of basic metals, food products, mineral oils, textiles, non-food articles, chemicals and chemical products, rubber and rubber products and paper and paper products. Retail inflation has reached an 18-month low- Let us tell you that due to the fall in the prices of vegetables, oils and fats, retail inflation in India has also come down to an 18-month low of 4.7 percent in April. Currently, it is between the Reserve Bank of India's (RBI) target of 4-6 per cent. Consumer Price Index (CPI)-based inflation remained within the RBI's range for the second month in a row and fell below the 6 per cent mark. Retail inflation in March 2023 stood at 5.66 per cent. Retail inflation estimated to be 5.2 percent in the current financial year - The government has asked the Reserve Bank to ensure that retail inflation remains at 4 percent with a margin of 2 percent. During the recent Monetary Policy Committee (MPC) meeting in April, the central bank had frozen interest rate hikes and projected retail inflation at 5.2 per cent for the current fiscal.

Imran appeared in the Lahore High Court amid tight security; Bushra Bibi gets bail in Al Qadir case

Several cases were registered for attacking and damaging state buildings and military installations, besides the May 9 violence following Imran's arrest and setting ablaze the Corps Commander's House in Lahore. Hearing was held in these matters only today. The Lahore High Court on Monday held a hearing on the allegations leveled against former Pakistan PM Imran Khan in connection with the torching of the Corps Commander's house and violence following his arrest last week. Where former Prime Minister Imran appeared in the

Lahore High Court amid tight security. Wife Bushra Bibi was also present with him. After the hearing, Imran's wife Bushra Bibi has been granted bail till May 23 in the Al Qadir case. According to the information, the May 9 violence after Imran's arrest and the torching of the Corps Commander House in Lahore apart from state buildings And several cases were registered for attacking and damaging military installations. Hearing was held in these matters only today. Earlier, despite being granted bail on Friday, Imran Khan returned to his Lahore residence on Saturday after spending hours at the Islamabad High Court premises fearing re-arrest. The Islamabad High Court had granted bail to 70-year-old Imran Khan, preventing him from being arrested in all cases registered after May 9. Also asked them to approach the Lahore High Court on May 15 for further relief. Imran was arrested on May 9- The National Accountability Bureau (NAB) arrested Imran Khan on May 9 in the Al Qadir Trust case. After this, the Supreme Court of Pakistan declared the arrest of Imran Khan from the Islamabad High Court premises illegal and referred the matter to the High Court. Meanwhile, Punjab Inspector General of Police Dr. Usman Anwar said on Sunday that more than 3,500 people have been arrested in Punjab province for their involvement in the violence that broke out after Imran Khan's arrest. He said most of them would be tried in anti-terrorism courts.

Beware: Virtual kidnapping of Chinese students in Australia, 17-23 year olds being targeted

According to the report, the criminals have so far extorted seven lakh dollars i.e. more than Rs 6 crore from the students. It is being told that the students are threatened unless they give between one and a half million to two and a half million dollars to these criminals. Virtual kidnappings are being done to extort money from friends and relatives of Chinese students living in Australia. have been Four such cases have come to the fore in the last one month. According to a report, the thugs posing as Chinese officials intimidated the students, forced them to act out their own abduction and then took away millions of Australian dollars in ransom. The age of these students is said to be between 17 and 23. According to the report, the criminals have so far extorted seven lakh dollars i.e. more than Rs 6 crore from the students. It is being told that the students are being threatened unless they pay between one and a half million to two and a half million dollars to these criminals. Citing of being a Chinese embassy- Tell me, criminals often call and claim to be from the Chinese embassy or police. They speak in Mandarin and initially tell their victims that they have been accused of a crime in China or that their identities have been stolen. He would then threaten that if he did not pay some money, he would be sent back to China. The miscreants would then continue to threaten their victims until they deposited a hefty sum of money into offshore bank accounts. Videos are made while blindfolded - In some cases, the victimized students were told not to have any contact with their friends and relatives, then they were asked to video themselves while blindfolded, pretending to be hostages. After this, such videos would be used to demand ransom money. This is how extortion is done- Recently, a person called a 17-year-old boy, posing as a postal service employee, saying that a package had been received in his name, which contained contraband. It was sent to the Chinese police for investigation. He must pay $20,000 to prove his innocence. The miscreant told the child that if he wanted to get money from his family, he should kidnap himself. Advice to victims - don't pick up such calls - Detective Superintendent Joe Duhey said it was a shame criminals were targeting students coming to Australia to study. The detective also urged the victims to come forward. He advised anyone who receives such calls to disconnect the phone and report the scam to the authorities.

Former Prime Minister of Nepal Oli preparing to play anti-India card again

Analysts have pointed out that Oli played the anti-India card in the 2017 general elections. This was the first general election in the country after Nepal's new constitution came into force in 2015. Oli's party then emerged as the single largest party in the Pratinidhi Sabha (the lower house of the Nepali Parliament)... It seems that former Prime Minister KP Sharma Oli of the Communist Party of Nepal (UML) has decided to play the anti-India card again. Have decided. Oli has prepared a document for the Central Committee of his party. In it, he has said- 'The concerns related to the interference of foreign forces in the internal politics of

Nepal have increased a lot. Unnecessary and unwarranted foreign interference is being felt during the formation of alliances, elections to the country's constitutional bodies and even drafting of laws.' Analysts have pointed out that Oli led India in the 2017 general election. The opposing card was played. This was the first general election in the country after Nepal's new constitution came into force in 2015. Oli's party then emerged as the largest party in the House of Representatives (the lower house of the Nepalese Parliament). His party came second in the general elections held last year and is currently in the opposition. In the document now prepared, Oli has alleged that the current ruling coalition has strayed from a balanced foreign policy. They have made the country sit in the lap of a foreign power on the ruling coalition. Though he has not named any foreign power, there is a general consensus among analysts that he is referring to India. In another context, he has definitely taken the name of India. He has said- 'The present government has not made any effort to resolve the border dispute with India, while work has stopped on many projects for which agreements were signed between Nepal and China.'When Oli was the Prime Minister, Then his government released a new map of the country. Three regions of India were included in that map. Due to this, the relations between India and Nepal had become very bitter. This year Oli's party is celebrating its 75th anniversary. To mark the occasion, the UML has decided to organize an international conference of Communist, Labor and Left parties. The theme of that conference has been 'Constructive Use of Marxism'. Representatives of leftist parties of many countries are being invited to the conference. In the meeting of the Central Committee of UML, Oli presented his 17-page political document. This document has also been discussed in the Central Committee. In this, Oli has accused Prime Minister Pushpa Kamal Dahal's Communist Party of Nepal (Maoist Centre) of bringing political instability in the country and working under the influence of foreign power centres. Oli had said that after last year's general election, the UML planned to take the country on a new political path, which Dahal thwarted with his opportunism. He has said- 'We failed to stop the Maoist center influenced by extreme opportunism and various power centers from moving towards the right wing'.

Turkey's 'Gandhi' hinders the election victory of anti-India Ardoan, know who is Kilikdaroglu

A tough fight has been seen between the ruling party and the opposition in the counting of votes so far. It is believed that there may be a contest between the two leaders in the next round as well. Election results have started coming in Turkey, which was hit by the earthquake three months back. In the counting of votes cast for the presidential election, the current President Recep Tayyip Ardoan is seen slipping from the majority figure. His party's vote share seems to be slipping below 50 per cent, making it almost clear that Kemal Kilikdaroglu, leader of Turkey's opposition party CHP, will now be seen challenging Ardoan in the second round of voting as well. In such a situation, it is important to know who is Kamal Kilikdaroglu? First of all, know from whom did Ardoan get the challenge?To challenge Ardoan's two-decade-long term as head of state, six opposition parties together nominated Kemal Kilicdaroglu, the leader of the main secular opposition Republican People's Party (CHP). Kamal is contesting against incumbent President Recep Tayyip Erdogan. Ardoan is called anti-India. Ardoan is the same leader who supported Pakistan in the United Nations immediately forgetting India's 'Operation Dost' campaign and help during the earthquake.At the same time, Kemal Kilikdaroglu is called 'Gandhi of Turkey'. Kamal fights for people's rights, social justice and democracy in Turkey. Turkish media also calls him Kamal Gandhi. He also wears glasses like Mahatma Gandhi, and a report in Politico states that like Gandhi, Kilikdaroglu's political style is 'humble'. Who is Kamal Gandhi?-According to a report by Al Jazeera, Kemal Kilikdaroglu was born in 1948 in the city of Tunceli in eastern Turkiye (then Turkey). He was born into a family that practiced the minority Alevi faith. The Alevis are followers of the 13th-century Perso-Turkic dervish Haji Bektash Veli who taught an esoteric and humanistic form of Islam. Kilicdaroglu studied economics at the Ankara Academy of Economics and Commercial Sciences (now Gazi University) and held top positions in Turkish economic and financial institutions, both in the government and private sectors. He also taught at Hacettepe University in Ankara.Kilikdaroglu entered the Turkish Parliament in 2002 as a member of the CHP from Istanbul. The same election followed that brought Erdogan's Justice and Development Party (Adalet ve Kalkinma Partisi or AKP) to power for the first time.After this, Kamal started fighting against corruption in Turkey. He was again elected to the Parliament in 2007. In 2009, he contested the election to become the mayor of Istanbul.